मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 111
रविवार, 01 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सरदार पटेल के बिना आज के भारत की कल्पना भी मुश्किलः पीएम मोदी

गुजरात, 31 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के एकता नगर स्थित परेड ग्राउंड में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी वहां मौजूद थे। 'राष्ट्रीय एकता दिवस' भारत के राजनीतिक और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को सम्मान देता है, और एक मजबूत व एकजुट देश के उनके दूरदर्शी विचारों का जश्न मनाता है। किसी भी देश के लिए आजादी बहुत जरूरी है। जब आजादी होती है, तो देश अपना भविष्य खुद तय करता है। लेकिन गणतंत्र से ही आजादी को सही दिशा मिलती है। गणतंत्र हमें संविधान के दायरे में रहकर अपने फैसलों को आगे बढ़ाने का रास्ता दिखाता है। संविधान हमें जनता के प्रति जवाबदेह बनाता है, और एकता हमें एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने की ताकत देती है। इसलिए, अब हमारे देश में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और एकता दिवस—ये तीनों राष्ट्रीय त्योहार—पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। इस दिन और इससे जुड़ी वार्षिक परंपराओं के तहत, देशभर में सरकारी कार्यालयों और नागरिकों द्वारा देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए 'राष्ट्रीय एकता दिवस' की शपथ ली जाती है। सरदार वल्लभभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950) एक दूरदर्शी बैरिस्टर, राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले



उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें राष्ट्रीय एकीकरण का मुख्य शिल्पकार माना जाता है, क्योंकि उन्होंने सैकड़ों बिखरी हुई रियासतों को सफलतापूर्वक एक साथ जोड़कर एक अखंड गणराज्य का निर्माण किया। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण एक भव्य 'यूनिटी परेड' होगी, जिसमें 20 सुरक्षा बलों के दस्ते मार्च करेंगे। परेड कमांडर सुबोध मानकर के कुशल नेतृत्व में, CRPF, BSF, ITBP, SSB और CISF सहित विभिन्न सुरक्षा बल अनुशासित और तालमेल भरे कदमों के साथ मार्च करेंगे। इस वर्ष की परेड में विशेष नक्सल-विरोधी इकाइयों को भी सम्मान के साथ शामिल किया जाएगा। ये इकाइयां आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और देश की आंतरिक शांति के लिए दिए गए बलिदानों का प्रतीक हैं।

शौर्य चक्र से सम्मानित सात ऐसे वीर, जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय दिया है, इस परेड का विशेष आकर्षण होंगे। ये जांबाज सैनिक बख्तरबंद वाहनों में सवार होकर परेड में हिस्सा लेंगे। जब मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले इन नायकों को इस राष्ट्रीय मंच पर विशेष सम्मान दिया जाएगा, तो पूरा परिसर देशभक्ति के जोश और उत्साह से गूंज उठेगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने आपराधिक कृत्य किया, मॉक संसद में बोले मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सीधे निर्देशों पर चुनाव आयोग चला रहे हैं। शनिवार को नई दिल्ली के राजाजी मार्ग स्थित मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन द्वारा एक 'सार्वजनिक महाभियोग' कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने की। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 'इंडिया' गठबंधन के इस प्रतीकात्मक सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम में खड़गे ने कहा, "CEC ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सीधे निर्देशों पर आयोग चला रहे हैं। सात महीने पहले, विपक्ष के 193 सांसदों ने संसद के दोनों सदनों



में CEC को हटाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था। लेकिन, हमारे नोटिस खारिज कर दिए गए और उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए, आज हम जो प्रस्ताव लाए हैं, उसका उद्देश्य एक संवैधानिक संस्था की गरिमा की रक्षा करना है। CEC के प्रति हमारी कोई व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है। हमारा उद्देश्य यह है कि चुनाव आयोग संविधान की भावना के अनुरूप निष्पक्ष होकर काम करे, ताकि आम आदमी का उस पर भरोसा बना रहे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कमजोर वर्गों, महिलाओं और युवाओं के वोट देने के अधिकार को दिल्ली में बैठा कोई व्यक्ति चुपके से कंप्यूटर से हटा न दे... खड़गे ने BJP के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि 2014 से सत्ता हथियाने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया, 2014 से सत्ता हथियाने और उसे बनाए रखने के लिए हर संभव साजिश रची गई है। उन्होंने सांसदों को चुराया है, राजनीतिक दलों को तोड़ा है, सरकारों को गिराया है, और इलेक्टोरल बॉन्ड, ED तथा CBI का इस्तेमाल किया है; और अब वे वोट चुरा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्यप्रदेश राज्यसभा उपचुनाव के लिए भरा पर्चा

भोपाल, 31 अक्टूबर। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी कर रहे कांग्रेस के कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुरी (74) मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास विधानसभा भवन पहुंचे।

नामांकन दाखिल करने से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक गुरुद्वारे में मत्था टेका और संत सुदेश शांडिल्य महाराज का आशीर्वाद लेने के लिए करुणा धाम आश्रम पहुंचे। प्रदेश की मंत्री कृष्णा गौर भी उनके नामांकन



पत्र की प्रस्तावकों में शामिल थीं। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने 28 अक्टूबर को पुरी को उम्मीदवार घोषित किया था।

यह सीट केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के कारण रिक्त हुई है। मुरुगन का कार्यकाल अप्रैल 2030 में समाप्त होना था। मध्यप्रदेश विधानसभा की कुल 230 सीट में से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा को अदालत के फैसले के बाद अयोग्य ठहराए जाने के कारण 12 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सदन के मौजूदा सदस्यों की संख्या 229 रह गई है। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की कुल 11 सीट हैं, जिनमें से सात पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि एक सीट रिक्त है। पुरी की उम्मीदवारी के खिलाफ संभावित प्रदर्शन को देखते हुए भोपाल पुलिस ने नामांकन दाखिल होने से पहले कांग्रेस के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया।

ओडिशा के गिड़ीपबाली में भूस्खलन के बाद 12 लोग लापता, 170 बचावकर्मी खोज में जुटे

ओडिशा, 31 अक्टूबर। ओडिशा सरकार ने गंजाम और कंधमाल जिलों की सीमा पर स्थित एक गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद लापता हुए 12 लोगों की तलाश के लिए एक अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। विशेष राहत आयुक्त राजेश पी. पाटिल ने बताया कि लापता लोगों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के कुल 170 कर्मियों को तैनात किया गया है। पाटिल ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, पहाड़ी पर स्थित इस गांव में 26 लोग रहते थे। इनमें से 13 लोग भूस्खलन से बचकर निकलने में सफल रहे, जबकि 13 लापता हो गए। लापता लोगों में से एक का पता लगा लिया गया है, जबकि अन्य का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। शुक्रवार रात से ही तलाशी अभियान जारी है। गंजाम जिले के भंजनगर ब्लॉक के बैबली पंचायत अंतर्गत गिड़ीपबाली गांव में हुआ भूस्खलन चक्रवात अर्नब के कारण लगातार हुई बारिश के दौरान हुई ऐसी 10 घटनाओं में से एक था। भारी बारिश के कारण राज्य के दक्षिणी हिस्से के सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए।

विशेष राहत आयुक्त ने बताया कि शुक्रवार को कंधमाल जिले में भूस्खलन की एक घटना में नौ महीने के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि गजपति जिले में भी एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि गंजाम समेत बाढ़ प्रभावित जिलों में बचाव एवं राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं और लोगों की सुरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। माझी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

प्रशासन और बचाव दल प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। वहीं, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि चक्रवात अर्नब के प्रभाव के कारण ओडिशा के कंधमाल जिले में हुए भूस्खलन की घटना में कई लोगों की जान जाने और अनेक लोगों के लापता होने की खबर से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं और जनजीवन सामान्य बनाने की दिशा में प्रयास तेज किए जाये। गिड़ीपबाली गांव में भूस्खलन से बचकर निकले 13 लोगों ने कंधमाल जिले के जी. उदयगिरि के निकट एक राहत केंद्र में शरण ली है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि इन लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। राहत केंद्र में मौजूद रीनीमा मलिक ने कहा, पहाड़ी से भारी मात्रा में कीचड़ और मलबा तेजी से नीचे आया, जिसने घरों को अपनी चपेट में लेकर पूरे गांव को तबाह कर दिया।

मलिक ने कहा, हममें से कुछ लोग किसी तरह वहां से भागने में सफल रहे और बाकी लोग भी हमारे पीछे आ रहे थे, लेकिन वे यहां तक नहीं पहुंच सके। एक अन्य जीवित बची महिला सौदामिनी मलिक ने बताया कि उनके कुछ रिश्तेदार अब भी लापता हैं। उन्होंने प्रशासन से उनकी जान बचाने की अपील की। उन्होंने दावा किया, जो लोग बचकर निकले हैं, उन सभी को पत्थरों की चोट लगने से चोटें आई हैं। जी. उदयगिरि के प्रखंड विकास अधिकारी सत्यनारायण मिश्रा ने बताया कि घायल महिलाओं समिता मलिक और मनीमा प्रधान को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

गंजाम के जिलाधिकारी वी. कीर्ति वासन ने कहा कि आस्का और जिले के अन्य हिस्सों में राहत कार्य

माता जी का जीवन प्रेम, सेवा और समर्पण की प्रेरणादायी मिसालः ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गायत्री परिवार, हरिद्वार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी के अवसर पर उनकी स्मृति में स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने माता जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, स्नेह, सेवा और मातृत्व का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने गुरुदेव की साधना और विचारों को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार केवल आध्यात्मिक संगठन नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की सतत यात्रा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि वर्ष 2026 गायत्री परिवार के लिए तीन ऐतिहासिक शताब्दियों का त्रिवेणी



संगम है।

इसमें अखंड दीपक के प्रज्वलन के 100 वर्ष, माता जी की जन्म शताब्दी और गुरुदेव की साधना के आरंभ के 100 वर्ष शामिल हैं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण, सामाजिक समरसता और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को विकसित भारत के निर्माण के महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि माता जी के आदर्श आज भी करोड़ों लोगों को सेवा, संवेदना और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आरएसएस राष्ट्रीय विचारों पर संवाद को हमेशा तैयार, विरोधी शक्तियों से सतर्कता जरूरीः सुनील आम्बेकर

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। देश में हालिया आंदोलनों के बाद खासकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग विचारधाराओं में विमर्श की जंग तेज होने के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार को कहा कि 100 साल से ज्यादा पुराना संगठन राष्ट्रीय विचारों पर विमर्श के लिए हमेशा तैयार है, लेकिन नये जनसंचार माध्यमों का सही उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने संघ का रुख दोहराते हुए यह भी कहा कि आंदोलनों के दौरान सभी लोगों को सतर्क रहना चाहिए कि देश के हितों के विरोधी तत्व उनका दुरुपयोग न कर पाएं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने इंदौर में संगठन की एक वार्षिक बैठक से दो दिन पहले संवाददाताओं से कहा, संघ किसी भी जनसंचार माध्यम या इसकी नयी तकनीक का विरोध नहीं करता, लेकिन मनुष्य होने के नाते हमें निश्चित तौर पर विचार करना होता है कि हम इन माध्यमों का उपयोग कैसे करेंगे। समाज में इस संदर्भ में जागृति लाने के लिए संघ भविष्य में भी काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व और अन्य विषयों पर संघ के राष्ट्रीय विचारों को लेकर पिछले 100 वर्षों से गहरा विमर्श जारी है और संघ प्रमुख



मोहन भागवत समेत सभी पदाधिकारी इस बारे में संवाद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों जेन-जी के आंदोलन का हवाला देते हुए आंबेकर से पूछा गया कि क्या संघ ने नयी पीढ़ी से संवाद बढ़ाने में देरी कर दी? उन्होंने जवाब दिया,अगर देश में कोई व्यक्ति किसी मुद्दे पर आवाज उठाता है, तो आप संघ को इस विषय में पक्ष या विपक्ष क्यों मानते हो? यह गलत सोच है। देश के संदर्भ में अगर कोई व्यक्ति प्रश्न उठाता है, तो ठीक है। वह यह प्रश्न उठा सकता है। आम्बेकर ने आगे कहा, जैसा कि सरसंघचालक (मोहन भागवत) ने नागपुर में विजयादशमी उत्सव के अपने संबोधन में भी बोला कि सब लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि देश में जो भी आंदोलन हों, वे देश के हित में हों और देश को आगे ले जाने के लिए हों।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट ह्यडिजास्टर डिवाइडह्ल इसी प्रश्न का एक असहज, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज



-ललित गर्ग



है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का ह्यडिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्सह्ल 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोग पर उचित कर व्यवस्था बने, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही, जलवायु आपदाओं से प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुंचे।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम और ह्यअपरिग्रह जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का सादा जीवन, उच्च विचार केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी संपत्ति नहीं, आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। अंततः ऑक्सफैम की डिजास्टर डिवाइड रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकास का अर्थ कुछ लोगों की असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवता की बढ़ती विवशता है? पृथ्वी किसी एक वर्ग की जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनों पर किसी मुट्ठी भर लोगों का एकाधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरी को अपराध मानने की नहीं, बल्कि अमीरी के साथ जवाबदेही जोड़ने की है। याद रखना होगा कि जब समाज में विषमता की खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोष की आग सीमाओं में नहीं बंधती। धरती को बचाना है तो विकास की दिशा बदलनी होगी, समृद्धि को संवेदना से जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्था को मानवता के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। क्योंकि जिस विकास में प्रकृति सुरक्षित नहीं और मनुष्य सम्मानित नहीं, वह विकास नहीं, विनाश की प्रस्तावना है।

रामलीला मैदान की हुंकार, चुनावी शुचिता और लोकतंत्र की साख का सवाल



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में रामलीला मैदान मात्र एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि जन-आकांक्षाओं, ऐतिहासिक आंदोलनों और सत्ता को चुनौती देने वाली बुलंद आवाजों का प्रतीक रहा है। एक बार फिर, देश की राजधानी का यह ऐतिहासिक मैदान एक अभूतपूर्व और अत्यंत गंभीर राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गया है। विपक्षी दलों के साझा गठबंधन द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष रूप से मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के खिलाफ आयोजित की जा रही 'चलो दिल्ली महारैली' और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 'पब्लिक इंपीचमेंट' की घोषणा ने देश की राजनीतिक सरगर्मी को चरम पर पहुंचा दिया है। विपक्ष का यह सीधा आरोप कि प्रशासनिक व तकनीकी सुधारों की आड़ में बड़े पैमाने पर 'वोट चोरी' की जा रही है और देश भर से करोड़ों वैध मतदाताओं को जानबूझकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर धकेला जा रहा है, भारतीय निर्वाचन प्रणाली की शुचिता पर एक ऐसा प्रश्नचिह्न है जिसे किसी भी स्थिति में हल्के में नहीं लिया जा सकता।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ये आरोप कि मतदाता सूचियों से सुनियोजित तरीके से नाम हटाकर जनता के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है, केवल एक राजनीतिक दल का विलाप नहीं है, बल्कि यह उन करोड़ों मतदाताओं की आशंकाओं का सीधा प्रतिनिधित्व करता है जो इस देश के असली भाग्यविधाता हैं। लोकतंत्र की पूरी इमारत इस बुनियादी सिद्धांत पर टिकी है कि प्रत्येक नागरिक को 'एक व्यक्ति, एक वोट' का अधिकार प्राप्त हो और वह अधिकार पूरी तरह से पारदर्शी व निष्पक्ष हो। जब इस अधिकार के क्रियान्वयन की नीयत और प्रक्रिया पर ही गहरे सवाल उठने लगें, तो वह स्थिति किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक हो जाती है।

विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे रक्फ़ अभियान के तहत प्रशासनिक लापरवाही या फिर राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित त्रुटियों के कारण हाशिए के समुदायों, अल्पसंख्यकों और गरीब तबके के मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से गायब किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से लगातार ऐसी गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं, जहां लाखों की संख्या में नाम हटाए जाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में तो यह आंकड़ा और भी चौंकाने वाला बताया जा रहा है, जहां कथित रूप से पुनरीक्षण की जटिल प्रक्रियाओं के नाम पर जमीनी स्तर पर विसंगतियां देखी गईं। लोकतंत्र में यदि किसी एक भी वैध नागरिक का नाम प्रशासनिक शिथिलता या किसी छिपाए गए एजेंडे के तहत मतदाता सूची से कटता है, तो इसे केवल एक क्लैरिकल गलती मानकर खारिज नहीं किया जा सकता, बल्कि यह उस नागरिक के लोकतांत्रिक अस्तित्व को ही मिटाने जैसा है। यही कारण है कि विपक्ष ने इसे 'वोट चोरी' का नाम देकर एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है और देश भर के युवाओं, छात्रों तथा नागरिक समाज के सदस्यों को इस प्रतिवाद में शामिल होने का खुला आह्वान किया है।

इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील और गंभीर पहलू यह है कि यह मामला अब केवल चुनावी रैलियों या राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायपालिका ने इस मामले में जो तल्ख रुख अपनाया है, उसने इस मुद्दे की गंभीरता को कानूनी और संवैधानिक अमलीजामा पहना दिया

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से निर्वाचन आयोग द्वारा दावे और आपत्तियां दर्ज करने की निर्धारित 30 अक्टूबर की समयसीमा पर सवाल उठाए और आयोग को सख्त निर्देश दिए कि वह इस अवधि को बढ़ाए ताकि पात्र नागरिकों को शामिल होने या अपनी त्रुटियों को सुधारने का पर्याप्त समय मिल सके। इसके अतिरिक्त, अदालत ने मतदाता पंजीकरण फॉर्म (फॉर्म-6, 7 और 8) में किए गए डिजिटल बदलावों और घोषणा पत्रों को लेकर भी आयोग से जवाब-तलब किया है। न्यायपालिका की यह सक्रियता साफ दशार्ती है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गिरती साख को बचाना और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की गारंटी सुनिश्चित करना देश की आंतरिक स्थिरता के लिए कितना अपरिहार्य हो चुका है।

दूसरी तरफ, सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी और निर्वाचन आयोग इन तमाम आरोपों को मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित बताकर सिरे से खारिज कर रहे हैं। आयोग का निरंतर यह तर्क रहा है कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' एक पूर्णतः नियमित, वैधानिक और आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका एकमात्र उद्देश्य मतदाता सूचियों को शुद्ध व त्रुटिहीन बनाना, दोहरे पंजीकरणों को हटाना और अपात्र या मृत व्यक्तियों के नामों को सूची से बाहर करना है ताकि चुनावी शुचिता बनी रहे। गृह मंत्री अमित शाह और सत्ता पक्ष के अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्पष्ट कहना है कि विपक्ष अपनी संभावित चुनावी हार का ठीकरा पहले से ही संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ने की जमीन तैयार कर रहा है। उनके अनुसार, जब भी विपक्ष चुनाव हारता है या उसे अपनी जमीन खिसकती दिखती है, वह कभी ईवीएम को कटघरे में खड़ा करता है तो कभी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रहार करने लगता है। संसद के भीतर भी इस मुद्दे पर पूर्व में तीखी बहसें हो चुकी हैं, जहां सरकार ने कड़े शब्दों में स्पष्ट किया था कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है और उसकी स्वायत्तता पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक दबाव स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। इस राजनीतिक रस्साकशी के बीच, विपक्ष द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित 'पब्लिक इंपीचमेंट' का प्रतीकात्मक कार्यक्रम भारतीय संसदीय इतिहास में एक बिल्कुल नई और आक्रामक परिपाटी की शुरूआत है। यद्यपि संवैधानिक रूप से किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की वास्तविक प्रक्रिया बेहद जटिल है और उसके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है—जो वर्तमान में विपक्ष के पास नहीं है—फिर भी जन-अदालत में इस तरह का 'अविश्वास' प्रकट करना जनता के बीच एक बड़ा विमर्श खड़ा करने का रणनीतिक प्रयास है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतीकात्मक अभियोग और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा लाए गए प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष यह संदेश देने की पुरजोर कोशिश कर रहा है कि वह संस्थाओं की जवाबदेही को अब सीधे जनता के दरबार में लेकर जा रहा है। इस समूचे घटनाक्रम में कल होने वाले 'चलो दिल्ली' मार्च ने तनाव को और बढ़ा दिया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेता दिल्ली के मिंटो रोड-कनॉट प्लेस जंक्शन से रामलीला मैदान तक मार्च निकालने पर अड़े हैं, जबकि दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इस मार्च को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह प्रशासनिक पाबंदी एक बड़े राजनीतिक टकराव और धरने का रूप ले सकती है, जो इस संपादकीय विमर्श को और अधिक तीखा बनाता है।

देखा जाए तो इस पूरे परिदृश्य में असली चिंता किसी राजनीतिक दल की तात्कालिक हार या जीत की नहीं है, बल्कि उन संस्थाओं की साख की है जिन पर देश के लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने की ऐतिहासिक ज़िम्मेदारी है। निर्वाचन आयोग को न केवल निष्पक्ष होना चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता और तटस्थता देश के हर नागरिक और सभी राजनीतिक दलों को स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। जब निर्वाचन आयोग के भीतर ही कुछ आंतरिक मतभेदों या निर्णयों पर अपारदर्शिता की खबरें सार्वजनिक होने लगती हैं, तो जनता का भरोसा डगमगाता है। हाल के दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की नई प्रक्रिया को लेकर बने कानूनों पर भी जो सवाल उठे हैं, उसने आयोग की स्वतंत्रता को लेकर संदेह के बादलों को और गहरा किया है।

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा और सबसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र है। यहाँ हर चुनाव एक महापर्व की तरह होता है, जहाँ एक आम और निर्धन नागरिक भी यह गर्व से महसूस करता है कि उसके हाथ में सत्ता बदलने या बनाए रखने की वास्तविक ताकत है। इस ताकत का एकमात्र और सबसे पवित्र जरिया उसका वोट है। यदि मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसी विशुद्ध प्रशासनिक प्रक्रियाओं में थोड़ी भी अपारदर्शिता, विसंगति या जल्दबाजी पाई जाती है, तो वह सीधे तौर पर इस सामूहिक लोकतांत्रिक भरोसे पर आघात करती है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह विपक्ष के आरोपों को केवल एक राजनीतिक हमला मानकर खारिज करने के बजाय, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए हर एक शिकायत का बिंदुवार, पारदर्शी और त्वरित निवारण करे। मतदाता सूचियों से नाम हटाने या जोड़ने की प्रक्रिया को इतना सार्वजनिक, सरल और सुलभ बनाया जाना चाहिए कि देश के किसी भी हिस्से में किसी भी नागरिक को यह महसूस न हो कि उसका सबसे बड़ा संवैधानिक अधिकार उससे चुपके से छीन लिया गया है। वहीं दूसरी ओर, राजनीतिक दलों को भी यह आत्ममंथन करना होगा कि संवैधानिक संस्थाओं पर चौतरफा और तीखे हमले करते समय संस्था की बुनियादी गरिमा पूरी तरह मटियामेट न हो जाए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने का अधिकार सर्वोपरि है, और रामलीला मैदान में जुटने वाली जनमेदिनी इस अधिकार का एक सशक्त प्रकटीकरण है। लेकिन इस विरोध का अंतिम उद्देश्य संस्थाओं को ध्वस्त करना नहीं, बल्कि उन्हें अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, निष्पक्ष और सुदृढ़ बनाना होना चाहिए।

यूपी के अस्पतालों में सक्रिय लव जिहादी-जबरन धर्मांतरण गैंग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) इस समय एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विवाद के केंद्र में है। हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा शासन को सौंपी गई एक विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद केजीएमयू परिसर के भीतर चल रहे एक सुनियोजित धर्मांतरण और उत्पीड़न नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एसटीएफ की करीब दस महीने चली लंबी जांच में विश्वविद्यालय के विभिन्न चिकित्सा विभागों जैसे पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और गांधी वार्ड में हिंदू महिला डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और संविदा कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक शोषण तथा जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के कम से कम 12 अलग-अलग मामले सामने आए हैं। इस खुलासे ने न केवल चिकित्सा जगत को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि परिसरों के भीतर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस पूरे नेक्सस की परतें तब खुलनी शुरू हुईं, जब पैथोलॉजी विभाग की एक जूनियर महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने विभाग के ही सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन नायक (रमीज मलिक) के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज कराई। आरोप था कि डॉ. रमीज ने पीड़िता को शादी का झूठा झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया, जबरन गर्भपात कराया और उस पर लगातार इस्लाम कबूल करने व निकाह करने का दबाव बनाया। जब महिला डॉक्टर ने इसका विरोध किया, तो उसे भीषण मानसिक प्रताड़ना दी गई, जिससे तंग आकर उसने दवाओं का ओवरडोज लेकर आत्महत्या तक करने का प्रयास किया। शिकायत के बाद जब पुलिस ने कार्रवाई शुरू की, तो आरोपी डॉक्टर फरार हो गया था, जिसे बाद में चार राज्यों की खाक छानने के बाद लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में डॉ. रमीज के माता-पिता की भी संलिप्तता पाई गई और उन्हें भी जेल भेजा गया। जांच एजेंसियों को डॉ. रमीज के पास से मिले डिजिटल सबूतों और बैंक खातों के लेन-देन से इसके पीछे किसी



-संजय सक्सेना

बड़े सिंडिकेट, जैसे कि इस्लामिक मेडिकोस ग्रुप, और कुछ अन्य कट्टरपंथी संगठनों के कनेक्शन होने का भी संदेह गहराया है।

एसटीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह समस्या केवल एक आरोपी डॉक्टर तक सीमित नहीं थी, बल्कि कैंपस के भीतर एक बेहद संगठित नेटवर्क के रूप में काम कर रही थी, जिसमें उच्च पदों पर बैठे फैकल्टी सदस्यों से लेकर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों तक की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग में तैनात एक संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर युवती के मामले में सामने आया कि वहाँ के एक कर्मचारी शफात अली खान ने युवती के साथ छेड़छाड़ की, उसका पीछा किया और उस पर निकाह करने का दबाव बनाया। जब पीड़िता ने इस अनैतिक मांग का विरोध करते हुए प्रबंधन से शिकायत की, तो उसकी संविदा ही समाप्त कर दी गई और उसे नौकरी से निकाल दिया गया। इसी तरह रेडियोलॉजी विभाग में तैनात रेजिडेंट डॉक्टर रिजवान और गांधी वार्ड के नर्सिंग स्टाफ नफीस व फुरकान पर भी हिंदू महिला सहकर्मियों को प्रभावित करने, उन्हें ब्लैकमेल करने और धर्म परिवर्तन के लिए उकसाने के गंभीर आरोप दर्ज हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक और हैरान करने वाला पहलू विश्वविद्यालय प्रशासन तथा कुछ वरिष्ठ प्रोफेसरों की कथित निष्क्रियता और आरोपियों को दिया गया मौन संरक्षण रहा है। एसटीएफ की रिपोर्ट में पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश बाबू और एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सुमायरा कयूम जैसी उच्च पदस्थ फैकल्टी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि जब पीड़ित महिलाओं ने अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और प्रताड़ना की शिकायतें वरिष्ठों के समक्ष रखीं, तो शिकायतों को सुनने और त्वरित कानूनी कार्रवाई करने के बजाय उन्हें कई दिनों तक दबाकर रखा गया। इतना ही नहीं, विरोध दर्ज कराने वाली महिला डॉक्टरों और कर्मचारियों को उनका करियर पूरी तरह बर्बाद करने, परीक्षाओं में फेल करने की धमकियाँ दी गईं और कुछ मामलों में तो पीड़ितों को ही मानसिक रूप से विक्षिप्त साबित करने की सुनियोजित साजिशें रची गईं, ताकि आरोपियों के खिलाफ कोई कानूनी अड़चन न आए। विश्वविद्यालय की आंतरिक विशाखा कमेटी ने भी प्रारंभिक स्तर पर मुख्य आरोपी को दोषी पाया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर ढुलमुल रवैये के कारण मामले समय पर पुलिस तक नहीं पहुँच सके।

यह स्थिति केवल लखनऊ के केजीएमयू तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के कई अन्य बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में भी इस तरह के छद्म प्रेम और जबरन धर्मांतरण के मामले समय-समय पर सामने आते रहे हैं, जहाँ पेशेवर पदों पर काम करने वाले संवेदनशील युवाओं को निशाना बनाया जाता है। चिकित्सा परिसरों में इस तरह की गतिविधियों के पनपने के पीछे संगठित समूहों की सोची-समझी रणनीति काम करती है, जो कार्यस्थलों पर महिलाओं की भावनात्मक और पेशेवर मजबूरियों का फायदा उठाते हैं। केजीएमयू के इस बड़े रैकेट के उजागर होने के बाद, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव आनंद कुमार त्रिपाठी ने 30 अक्टूबर 2026 को केजीएमयू के कुलसचिव को एक आधिकारिक पत्र जारी कर एसटीएफ द्वारा चिह्नित सभी डॉक्टरों, प्रोफेसरों और कर्मचारियों के खिलाफ केजीएमयू अधिनियम, 2002 और सेवा नियमावली के तहत तत्काल प्रभाव से सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं तथा इसकी पूरी रिपोर्ट शासन को तलब की है। वर्तमान में, केजीएमयू प्रशासन को इन दावों और आंतरिक रिपोर्टों के आधार पर अंतिम न्यायिक निष्कर्ष आने तक आवश्यक अनुशासनात्मक कदम उठाने और परिसर के माहौल को सुरक्षित व निष्पक्ष बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए गए हैं, ताकि चिकित्सा जैसे पवित्र क्षेत्र की गरिमा धूमिल न हो।

चक्रवातों के साये में तटीय भारत का भविष्य

समुद्र जितना जीवनदायी है, उसका रौद्र रूप उतना ही विनाशकारी हो सकता है। भारत की करीब 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार, मत्स्य पालन और पर्यटन के लिए बेहद अहम है। लेकिन यही तटीय क्षेत्र हर साल चक्रवातों, समुद्री तूफानों, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा भी झेलते हैं। चक्रवात अर्नब ने एक बार फिर तटीय भारत की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि चक्रवात कब और कहां आएगा, बल्कि यह भी है कि उससे निपटने के लिए हमारी तैयारी कितनी मजबूत है। बदलते मौसम के दौर में अब आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने के बजाय पहले से नुकसान कम करने की रणनीति बनानी होगी।

चक्रवातों से निपटने में सबसे बड़ी चुनौती उनके बदलते स्वरूप और तीव्रता का अनुमान लगाना है। आधुनिक तकनीक और मौसम पूर्वानुमान में सुधार के बावजूद कई बार चक्रवात कम समय में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन के पास लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री जुटाने के लिए बहुत कम समय बचता है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें और नदियों में बाढ़ एक साथ तबाही मचा सकती हैं। जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है।

तटीय क्षेत्रों में कमजोर बुनियादी ढांचा भी बड़ी समस्या है। चक्रवात के दौरान बिजली के खंभे गिर जाते हैं, सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और संचार सेवाएं ठप पड़ जाती हैं। इससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित होते हैं। कई तटीय शहरों में अनियोजित निर्माण, जल निकासी की खराब व्यवस्था और निचले इलाकों में बस्तियों का विस्तार खतरे को बढ़ा रहा है। ऐसे में आपदा के समय लोगों को बचाने के साथ-साथ बिजली, पानी, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द बहाल करना भी बड़ी चुनौती बन जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की पूर्व चेतावनी प्रणाली पहले से बेहतर हुई है, लेकिन चुनौती अब भी यह है कि चेतावनी समय पर हर व्यक्ति तक पहुंचे। समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों, दूरदराज के गांवों और छोटे द्वीपों



-प्रियंका सौरभ

में रहने वाले लोगों तक सूचना पहुंचाना आसान नहीं है। कई बार लोग चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेते या घर और आजीविका छोड़ने के डर से सुरक्षित स्थानों पर जाने में देरी करते हैं। इसलिए केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को उसके खतरे और उससे बचने के उपायों के बारे में समझाना भी जरूरी है।

चक्रवात का असर सभी पर समान नहीं पड़ता। गरीब परिवार, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन परिवारों की आजीविका खेती, मछली पकड़ने या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना भी आसान नहीं होता। उन्हें अपनी संपत्ति, पशुओं और रोजगार की चिंता सताती है। चक्रवात के बाद मछली पकड़ने का काम बंद हो जाता है, खेतों में खारा पानी भर जाता है और छोटे कारोबार ठप पड़ जाते हैं। इससे प्रभावित परिवारों के सामने लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रहता है।

प्राकृतिक सुरक्षा कवच का कमजोर होना भी चिंता का विषय है। मैंग्रोव वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों का विनाश और समुद्र तटों पर बढ़ता निर्माण चक्रवातों के खतरे को बढ़ाते हैं। मैंग्रोव वन समुद्री लहरों की ताकत कम करने और तटीय इलाकों को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। तटीय क्षेत्रों में विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास भविष्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना होगा। मौसम विभाग की तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ उपग्रहों, डॉप्लर रडार और समुद्री निगरानी तंत्र का विस्तार जरूरी है। चेतावनी केवल मोबाइल संदेशों तक सीमित न रहे। सायरन, सामुदायिक रेडियो, स्थानीय प्रशासन और पंचायतों के माध्यम से भी सूचना लोगों तक पहुंचाई जाए। चेतावनी स्थानीय भाषा में हो और उसमें यह साफ बताया जाए कि लोगों को क्या करना है और कहां जाना है।

इसके साथ ही तटीय इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। चक्रवात आश्रयस्थलों की संख्या बढ़ाने, सुरक्षित निकासी मार्ग बनाने और अस्पतालों, बिजलीघरों तथा पेयजल व्यवस्था को आपदा के लिहाज से मजबूत करने की जरूरत है। आश्रयस्थलों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। नियमित मॉक ड्रिल से लोग

18वीं मंजिल से 6 साल के मासूम बेटे के साथ कूदी महिला, 8 पन्नों के सुसाइड नोट में लिखी भावुक बातें

मुंबई। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ से एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ वाकड इलाके में स्थित एक रिहायशी सोसाइटी की 18वीं मंजिल से गिरकर 33 वर्षीय महिला और उनके 6 साल के मासूम बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। शुक्रवार शाम घटी इस घटना से पूरे इलाके और हाउसिंग सोसाइटी में मातम छा गया है। पुलिस ने घटनास्थल से 7 से 8 पन्नों का एक लंबा सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें महिला ने अपनी बीमारी, बेटे के भविष्य की चिंता और पति के लिए भावुक संदेश लिखा है। महिला की पहचान एकता बांगड़ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह कई सालों से रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रही थीं। यह घटना शाम करीब 6:30 बजे सिग्नेचर पार्क की एक रिहायशी सोसाइटी में हुई, जहां एकता अपने पति मनोज बांगड़ और बेटे माधव के साथ रहती थीं। मनोज पुणे की एक क्ळ कंपनी में इंजीनियर हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, एकता अपने बेटे को इमारत की 18वीं मंजिल पर ले गईं और वहां से एक डक्ट (खाली जगह) में कूद गईं। घटना के बाद दोनों मृत पाए गए।

इस मामले में एक अहम जानकारी यह सामने आई है कि एकता ने मरने से पहले 7-8 पन्नों का एक सुसाइड नोट लिखा था। नोट में उन्होंने अपने पति के प्रति अपनी भावनाएं जाहिर कीं और उनसे अपील की कि उनकी मौत के बाद वे दूसरी शादी कर लें और अपनी जिंदगी फिर से शुरू करें। उन्होंने अपने बेटे के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई और लिखा कि उनके न होने पर बच्चा इसे समझने में कितनी मुश्किल महसूस करेगा। नोट में उन्होंने अपने बेटे को भी साथ ले जाने के फैसले का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि उनकी मौत के बाद बच्चा बार-बार अपनी मां के बारे में पूछेगा। साथ ही, उन्होंने यह भी आशंका जताई कि बच्चे के होने से उनके पति के लिए दोबारा शादी करना मुश्किल हो सकता है। पुलिस अपनी जांच के तहत इस नोट में लिखी बातों की पड़ताल कर रही है। नोट में बताए गए हालात और दावों की जांच की जा रही है।शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, एकता कई सालों से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारी से परेशान थीं और उन्होंने कई अस्पतालों में इलाज भी कराया था। हालांकि, कई जगहों पर दिखाने के बावजूद उनकी बीमारी का कोई पक्का पता नहीं चल पाया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, नोट में उनकी लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं और उससे जुड़ी कठिनाइयों का भी जिक्र किया गया है।घटना के बाद, वाकड पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे हादसे में दंपत्ति की मौत पर एमएसीटी ने दिया 1.80 करोड़ रुपये मुआवजे का आदेश

मुंबई। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2018 में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले एक दंपति के परिवार को 1.80 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। उस साल 23 दिसंबर को एक ट्रक चालक ने बीच रास्ते में अचानक ब्रेक लगा दिए, जिस कारण पीछे से आ रही अंकित भूपिंदरसिंह चुग की कार ट्रक से टकरा गई। कार में चुग, उनकी पत्नी संजना और उनके दो नाबालिग बच्चे सवार थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चुग और संजना की कुछ समय बाद पनवेल के ग्रामीण अस्पताल में मौत हो गई। एमएसीटी की सदस्य गौरी कावडिकर ने 29 अक्टूबर को दिए गए आदेश में कहा कि आगे चल रहे वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना चालक की जिम्मेदारी होती है। आदेश में कहा गया कि अगर आगे चल रहा वाहन अचानक ब्रेक लगा देता है तो इसके लिए पीछे चल रहे वाहन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। एमएसीटी ने यह भी कहा कि अगर कार चालक ने सुरक्षित दूरी बनाए रखी होती और कार की रफ्तार नियंत्रण में होती, तो टक्कर न होती। न्यायाधिकरण ने चुग को हादसे के लिए 70 प्रतिशत जिम्मेदार माना, जबकि ट्रक चालक की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण 30 प्रतिशत जिम्मेदारी तय की। संजना समसिद्ध माउंट लिट्रा जी स्कूल में कार्यरत थीं। वहीं, चुग डेल इंटरनेशनल सर्विसेज में सीनियर डिलीवरी स्पेशलिस्ट के पद पर काम करते थे।

दिवाली की सफाई से दांतों की सफाई तक: त्योहारों के मौसम में मौखिक स्वास्थ्य बनाए रखने पर डॉ. सोनिया दत्ता की राय

मुंबई/पटना। देश भर में लोग दिवाली के मौके पर अपने घरों की सालाना साफ-सफाई कर रहे हैं। कोई घर के अनछुए कोनों से धूल-मिट्टी हटा रहा है, तो कोई अलमारियों को व्यवस्थित कर रहा है; कोई अपने घर को सजा रहा है, तो कोई परिवार और दोस्तों के स्वागत की तैयारी में जुटा है। ये तैयारियां जहां घरों में स्वच्छ और उत्सवपूर्ण माहौल बनाती हैं, वहीं दंत विशेषज्ञों का मानना है कि इस दौरान एक और तरह की सफाई पर समान रूप से ध्यान देना जरूरी है और वह है मौखिक स्वच्छता यानी ओरल हाइजीन की अच्छी आदतों को बनाए रखना। विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना दांतों की बेहतर देखभाल के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव भी बेहद जरूरी है। डाबर रेड पेस्ट में लौंग का तेल, तोमर बीज और पुदीना सत्व जैसे आयुर्वेदिक तत्व शामिल हैं, जो दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखने, कीटाणुओं से लड़ने और लंबे समय तक ताजगी बनाए रखने में मदद करते हैं। त्योहार अक्सर हमारी दिनचर्या को इस तरह से प्रभावित करते हैं कि हमें तुरंत पता भी नहीं चलता। व्यस्त शेड्यूल, बार-बार होने वाली पार्टियों, देर रात तक चलने वाले जश्न और मिठाइयों व स्नैक्स के अधिक सेवन के कारण, कभी-कभी हम अपने दांतों की देखभाल को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन, दांतों की अच्छी सेहत के लिए नियमित देखभाल बहुत जरूरी है; रोजमर्रा की देखभाल में थोड़ी सी भी लापरवाही आगे चलकर दांतों से जुड़ी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। दंत विशेषज्ञों के अनुसार, दांतों पर हर दिन प्लाक (बैक्टीरिया की परत) जमता है। यदि नियमित रूप से सही तरीके से ब्रश करके इसे साफ न किया जाए, तो इससे दांतों में सड़न, मसूड़ों की समस्याएं और मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां हो सकती हैं। त्योहारों के मौसम में इन जोखिमों के बढ़ने की आशंका और अधिक रहती है, खासकर जब मीठे खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों का सेवन सामान्य से अधिक किया जाता है।

मच्छुआ टोली में ई-मेडिक्स की नई शाखा शुरू, लोगों को मिलेंगी आधुनिक फामेर्सी सुविधाएँ

मुंबई/पटना। राजधानी के मच्छुआ टोली इलाके में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी ने अपनी नई शाखा के साथ स्थानीय फामेर्सी सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में श्री कुमार आशीष चंद्र गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे। नई शाखा का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को एक ही स्थान पर भरोसेमंद दवाइयाँ और आधुनिक फामेर्सी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। इस स्टोर का संचालन श्रीमती कुमारी सुनीला एवं श्री नितेश नीरज द्वारा किया जाएगा। फ्रेंचाइजी संचालकों ने कहा कि वे ग्राहकों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका प्रयास रहेगा कि मच्छुआ टोली और आसपास के निवासियों को दवा खरीदने के लिए सुविधाजनक और विश्वसनीय विकल्प मिल सके।

अहिरावण वध, रावण वध, भरत मिलाप और श्रीराम के राजतिलक का भव्य मंचन

◆श्री आदर्श रामलीला उप समिति बोरीवली के रामलीला महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का उत्साह, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा मैदान

बोरीवली (उत्तरशक्ति)। श्री आदर्श रामलीला उप समिति बोरीवली के तत्वावधान में पं. रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को अहिरावण वध, रावण वध, भरत मिलाप तथा भगवान श्रीराम के भव्य राजतिलक का मंचन किया गया। रामलीला के इन भावपूर्ण और रोमांचक प्रसंगों को देखने के लिए उपस्थित दर्शक भक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आए।

रामलीला महोत्सव के दौरान सर्वप्रथम अहिरावण वध की लीला प्रस्तुत की गई। इसमें पाताल लोक से भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी को मुक्त कराने के लिए वीर हनुमान जी के अद्भुत पराक्रम और साहस का प्रभावशाली चित्रण किया गया। इसके बाद अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक रावण वध का मंचन हुआ। भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध किए जाने के दृश्य ने दर्शकों को बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। इसके पश्चात भरत मिलाप का भावुक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। 14 वर्षों के वनवास के बाद भगवान श्रीराम और उनके अनुज भरत के मिलन के दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस प्रसंग के माध्यम से भाईचारे, प्रेम, त्याग, समर्पण और पारिवारिक मर्यादाओं का प्रेरणादायक संदेश दिया गया।



श्रीराम के राजतिलक की भव्य झांकी ने मोहा मन रामलीला महोत्सव के अंतिम प्रसंग में भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई। इस दौरान पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। सजे हुए मंच और राज्याभिषेक के मनोहारी दृश्य ने ऐसा वातावरण निर्मित किया, मानो दर्शक स्वयं अयोध्या में उपस्थित होकर प्रभु श्रीराम का राजतिलक देख रहे हों। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ इस ऐतिहासिक प्रसंग का आनंद लिया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल सहित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल उपस्थित रहे। उनके साथ दहिसर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मनीषा ताई चौधरी, महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती अंकिता चौधरी, नगरसेवक जितेंद्र पटेल, नगरसेवक जगदीश ओझा, दैनिक भास्कर के वरिष्ठ संवाददाता भानु मिश्रा तथा भाजपा नेता जयप्रकाश ठाकुर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और सत्य, मर्यादा, प्रेम, त्याग तथा धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। 1 नवंबर को विराट कवि सम्मेलन का आयोजन एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय ने लोगों से अपील की कि रविवार, 1 नवंबर 2026 को हिंदी भाषी संघ के तत्वावधान में इसी रामलीला मंच पर आयोजित होने वाले विराट कवि सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि देश के विख्यात कवियों की रचनाओं का श्रवण साहित्यप्रेमियों के लिए आनंददायक और यादगार अनुभव होगा। रामलीला महोत्सव में प्रस्तुत इन प्रसंगों ने जहां दर्शकों को धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ा, वहीं भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का प्रेरणादायक संदेश भी दिया।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी प्रशांत मानकर के सेवानिवृत्त समारोह में पहुंचे: आमदार कुमार आयलानी



चेतन निर्मल/उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग उल्हसनगर में कार्यरत उप विभागीय अधिकारी प्रशांतकुमार मानकर 31 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। टाउन हॉल में शुक्रवार को उनका सेवापूर्ती समारोह आयोजित किया गया था जहां पर आमदार कुमार आयलानी पहुंचे और प्रशांतकुमार मानकर को उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस दौरान आमदार कुमार आयलानी ने प्रशांत मानकर के बारे में कहा कि ऐसे अधिकारी बहुत ही बिरले होते हैं जो जमीन से जुड़कर कार्य करते हैं और उन्ही में एक प्रशांत मानकर हैं। उन्होंने उल्हासनगर शहर को अपने 4 कीमती वर्ष दिए और कई विकास कार्य जैसे टेक्निकल स्कूल, एसडीओ कार्यालय, कल्याण अंबरनाथ रोड़ जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट निर्बाध पूर्ण हुए। आज दुख है कि ऐसे अधिकारी अब सेवा पूर्ण कर रहे हैं साथ ही यह खुशी भी है कि आगे वह समाजहित के कार्य करेंगे जिसमे मेरी तरफ से उन्हें पूर्ण सहयोग रहेगा। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के तमाम पूर्व व वर्तमान अधिकारी कर्मचारी, ठेकेदार व राजनैतिक व्यक्ति समारोह में शामिल हुए।

अनुश्री फाउंडेशन और भारत भारती ने आश्रम विद्यालय के बच्चों के साथ मनाई दीपावली

खंभाले वन गांव में बच्चों के बीच मिठाइयां बांटकर और आतिशबाजी कर मनाया दीपोत्सव

पालघर (उत्तरशक्ति)। दीपावली खुशियों, प्रेम और आपसी भाईचारे का त्योहार है। इसी भावना को साकार करते हुए शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 को अनुश्री फाउंडेशन एवं भारत भारती संस्था की ओर से खंभाले वन गांव स्थित आश्रम विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ दीपावली उत्सव बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

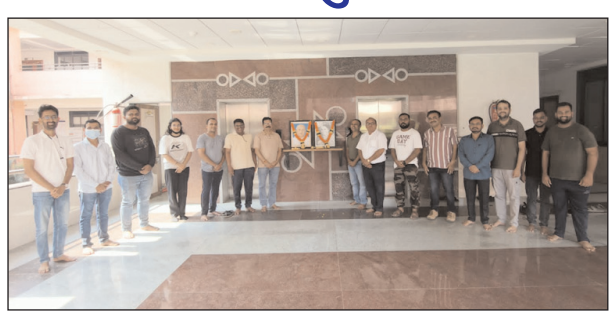
इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयवंत पांडेय सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारत भारती संस्था के जिला अध्यक्ष राजीव सिंह, जिला सचिव पशुपति तिवारी तथा अनुश्री फाउंडेशन की राष्ट्रीय सचिव पुष्पा तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। इस कार्यक्रम का



आयोजन पुष्पा तिवारी एवं पशुपति तिवारी के प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयवंत पांडेय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विद्यार्थियों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। बच्चों को मिठाइयां वितरित की गईं तथा उनके साथ पटाखे और फुलझड़ियां जलाकर दीपावली का उत्सव मनाया गया। इस दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों के साथ दीपावली मनाते हुए पुष्पा तिवारी, राजीव सिंह एवं आशा मिश्रा ने अपने बचपन की यादें भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ इस तरह खुशियां बांटने से उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गये। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों के साथ खुशियां बांटने में है। ऐसे आयोजन बच्चों के जीवन में उमंग, अपनापन और सकारात्मकता का संचार करते हैं। बच्चों ने संस्था के सदस्यों के साथ दीपावली का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर अनुश्री फाउंडेशन की जिला सचिव आशा मिश्रा, शहर सचिव संगीता सिंह, पूनम सिंह, पिंटू दुबे, कन्हैया गुप्ता, सुभाष पांडेय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पालघर जिला परिषद में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती और इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में शनिवार 31 अक्टूबर को भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के अशोक पाटील ने दोनों महान नेताओं के चित्रों पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गये अतुलनीय योगदान को याद किया गया। स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही आजादी के बाद देश की विभिन्न रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर भारत की राजनीतिक एकता और अखंडता को



मजबूत करने में उनका अहम योगदान रहा। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के रूप में उनकी सेवाओं को सदैव याद किया जाता है। उनके सम्मान में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राजनीतिक नेतृत्व और राष्ट्र के विकास में उनके योगदान का भी स्मरण किया गया। उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जिला परिषद के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में रईस स्कूल ने झटके 13 स्वर्ण, 31 रजत और 17 कांस्य पदक



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा एवं ठाणे जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 28 एवं 29 अक्टूबर को गाजेंगी हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 61 पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में भिवंडी तहसील के 48 स्कूलों के 588 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। 14, 17 एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में रईस स्कूल के खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 31 रजत और 17 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि के साथ खिलाड़ियों ने विभागीय स्तर की प्रतियोगिता में भी अपनी जगह बनाई। विद्यार्थियों की सफलता में मार्गदर्शक शिक्षक जाकिर अंसारी, मुसैब मोमिन एवं इकरा शेख का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस उपलब्धि पर के.एम.ई. सोसाइटी के अध्यक्ष अल्माज फकीह, सचिव दानियाल बुबेरे, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, खेल समिति अध्यक्ष दानिश मद्दू, विद्यालय के चेयरमैन इंजीनियर यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक मुख्याध्यापक मुखलिस मदू तथा समस्त विद्यालय स्टाफ ने विजेता विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरावली में 31 दिवसीय वस्त्रचित्र कला प्रशिक्षण शिविर का समापन

◆30 महिलाओं ने निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में बढ़ाया कदम, CMEGP योजना की भी दी गई जानकारी

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), पालघर की ओर से सरावली में आयोजित 31 दिवसीय वस्त्रचित्र कला लघुउद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 30 अक्टूबर 2026 को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को वस्त्रचित्र कला के विभिन्न प्रकारों, आकर्षक डिजाइन तैयार करने, रंगों के बेहतर संयोजन, चित्रकला की आधुनिक तकनीकों तथा इस कला को व्यवसाय के रूप में विकसित करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक अभ्यास के माध्यम से वस्त्रों पर चित्रकारी करने और अपने हुनर को स्वरोजगार में बदलने का प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन समारोह में



सरपंच आनंद धोडी, आरसेटी पालघर के संचालक वैभव विधाते, संस्थान के फैकल्टी दिनेश मांढरे, प्रशिक्षिका सुलभा शिंदे तथा उमेद अभियान की भारती धोडी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे गये कौशल का उपयोग कर महिलाएं अपना स्वयं का लघु उद्योग शुरू करें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि हुनर और मेहनत के बल पर महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ समाज में भी अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जिला उद्योग केंद्र (DIC) की ओर से नाना दडस तथा MCED की स्वयं सहायता विशेषज्ञ सुवर्णा महामुनी ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (CMEGP) योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को इस योजना के माध्यम से उद्योग एवं व्यवसाय स्थापित करने के लिए उपलब्ध अवसरों, प्रक्रिया और मार्गदर्शन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस 31 दिवसीय प्रशिक्षण से ग्रामीण महिलाओं को एक नया हुनर सीखने का अवसर मिला है। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों में स्वयं का व्यवसाय शुरू करने और परिवार की आय में योगदान देने का आत्मविश्वास भी विकसित हुआ है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं तथा बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), पालघर निरंतर प्रयासरत है।

श्री बागेश्वर धाम में सामूहिक विवाह को लेकर पत्रकार परिषद का किया गया आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के विवाह में सहयोग करने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भिवंडी स्थित श्री बागेश्वर धाम सनातन मठ की ओर से 9 दिसंबर 2026 को 51 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। मठ की ओर से पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे इस समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन की तैयारियों के संबंध में शनिवार, 31 अक्टूबर को मठ परिसर में प्रबंधन समिति ने पत्रकार परिषद में बताया गया कि 7 दिसंबर को हल्दी और भजन, 8 दिसंबर को मेंहदी संगीत, 9 को विवाह कार्यक्रम, 10 को सत्यनारायण पूजा व विदाई कार्यक्रम किया जायेगा। इस दौरान समारोह की रूपरेखा और



तैयारियों की जानकारी दी गई। उक्त संदर्भ में मठ के प्रबंधक प्रशांत शुक्ला व प्रबंधन समिति ने पत्रकार परिषद में बताया कि श्री बागेश्वर धाम सनातन मठ भिवंडी की ओर से पहली बार इतने बड़े स्तर पर सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने की पहल की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के विवाह में सहयोग करना और धार्मिक एवं सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज में आपसी सहयोग, समर्पण तथा सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने की अपील की। आयोजकों ने समस्त सनातनी भाइयों-बहनों सहित समाज के नागरिकों से तन-मन और समर्पण भाव से सहयोग करने का आह्वान किया है, ताकि 51 कन्याओं का विवाह समारोह भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। सामूहिक विवाह समारोह से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक नागरिक श्री बागेश्वर धाम सनातन मठ भिवंडी के कार्यालय से संपर्क कर आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ससुराल से लौटे युवक ने किया कीटनाशक का सेवन, हालत गंभीर

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के रजखड़ गांव निवासी 32 वर्षीय युवक ने ससुराल से लौटने के बाद घर में रखी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दुद्धी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, रजखड़ निवासी संजय कुशवाहा (32) पुत्र स्व. भिखारी कुशवाहा गुरुवार सुबह करीब 11 बजे कोन थाना क्षेत्र के कोटा गांव स्थित अपनी ससुराल गए थे। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे घर लौटने के बाद उन्होंने कीटनाशक का सेवन कर लिया। घटना के समय उनकी चाची उषा देवी ने उन्हें दवा पीते देखा और शोर मचाकर परिजनों को सूचना दी।

परिजन तत्काल उन्हें सीएचसी दुद्धी ले गए, जहां डॉ. मनोहर सिंह की देखरेख में उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकों के अनुसार, युवक की हालत गंभीर है और उसे निगरानी में रखा गया है।

युवक की बड़ी बेटी चांदनी ने बताया कि उनकी मां अनीता देवी घरेलू विवाद के बाद पिछले आठ दिनों से अपने मायके में रह रही थीं। पिता उन्हें वापस लाने ससुराल गए थे। वहीं, संजय ने आरोप लगाया कि ससुराल में कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया। समाचार लिखे जाने तक मामले में पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

राजकीय शिक्षक संघ ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को पदोन्नति के लिए दिया धन्यवाद

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में वर्षों से लंबित सहायक अध्यापक एवं प्रवक्ता संवर्ग की पदोन्नति की सूची 27 अक्टूबर 2026 को जारी होने के बाद शिक्षकों में खुशी का माहौल है। इस पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल का आभार व्यक्त किया है।

राजकीय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने इस वर्ष जून और जुलाई में माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल से भेंट कर प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक संवर्गों की अटकी पदोन्नतियों का मुद्दा उठाया था। संघ के अनुसार, निदेशक ने इस दौरान पदोन्नति के लिए आश्वासन दिया था।

संघ की ओर से कहा गया कि वर्षों से अवरुद्ध पड़ी पत्रावलियों पर प्रशासनिक गतिविधि बढ़ाने और शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त कराने में निदेशक की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार गौतम, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सत्यम् शिवम् सुंदरम् और प्रांतीय महामंत्री डॉ. अशोक कुमार अवाक ने सामूहिक रूप से माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल का आभार जताया है। संघ का कहना है कि इस निर्णय से शिक्षकों के लंबे समय से बने आक्रोश और असंतोष को राहत मिली है।

संघ ने उम्मीद जताई है कि विभाग शेष संवर्गों की लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को भी इसी गति और संवेदनशीलता से पूरा करेगा।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का डांडिया महोत्सव बना यादगार, प्रतिभागियों ने बिखेरे रंग



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की ओर से बंधन मैरिज लॉन, बदलापुर पड़ाव में आयोजित भव्य डांडिया महोत्सव उत्साह, उमंग और उल्लास के बीच शानदार ढंग से संपन्न हुआ। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों, आकर्षक डांडिया प्रस्तुतियों और संगीत की मधुर धुनों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। क्लब के सदस्यों ने अपने परिजनों के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर आयोजन को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम की भव्य सफलता पर क्लब अध्यक्ष लायन अभिताश गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों, पूर्व अध्यक्षों, कार्यक्रम संयोजकों, निर्णायक मंडल, प्रतिभागियों एवं समस्त रॉयल परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे रॉयल परिवार के प्रेम, विश्वास, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर एवं निवर्तमान अध्यक्ष संजीव साहू ने निर्णायक मंडल के सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। वहीं अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने आयोजन के प्रमुख सहयोगियों एवं संयोजकों राजेश अग्रहरि, राजेश किशोर, विनोद अग्रहरि, रवि गुप्ता, वैभव प्रधान एवं बृजेश विश्वकर्मा की विशेष सराहना करते हुए उन्हें माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में प्रदीप प्रधान एवं विष्णु गौड़ के योगदान की सराहना करते हुए उनका विशेष आभार व्यक्त किया गया। गोपाल जी साहू के सहयोग को भी सराहा गया। क्लब सचिव ला. आशीष गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष ला. राजेंद्र स्वर्णकार ने अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। वहीं अजय सोनकर के शानदार मंच संचालन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

निष्पक्ष निर्णायक मंडल ने किया प्रतिभाओं का चयनः महोत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन शहर के प्रख्यात मंच संचालक अवनींद्र तिवारी, सम्मानित शिक्षिका आदर्श वर्मा एवं लायंस क्लब शाहगंज खुशबू की संस्थापक अध्यक्ष खुशबू जायसवाल ने किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के नृत्य कौशल, आकर्षक वेशभूषा, प्रस्तुति एवं उत्साह के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया। अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने निर्णायक मंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव एवं निष्पक्ष निर्णयों से प्रतियोगिताओं की गरिमा बढ़ी।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने जीते खिताबः डांडिया महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें बेस्ट डांडिया मेल का खिताब आशीष मिश्रा ने तथा बेस्ट डांडिया फीमेल का पुरस्कार प्रगति कसौधन ने हासिल किया। बेस्ट ड्रेसअप मेल का खिताब विष्णु गौड़ और बेस्ट ड्रेसअप फीमेल का खिताब आंचल वर्मा के नाम रहा।

बच्चों की प्रतियोगिता में आदित्य साहू को बेस्ट चाइल्ड तथा प्रियांशी सोनकर को बेस्ट चाइल्ड रनर-अप चुना गया। इसी प्रकार बेस्ट कपल का खिताब अजय मोदनवाल ने हासिल किया, जबकि नीरज गुप्ता को बेस्ट कपल रनर-अप घोषित किया गया। सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की गई। साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास एवं खेल भावना की भी प्रशंसा की गई।

एक क्लब नहीं, सशक्त परिवार है रॉयल परिवारः इस अवसर पर अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने कहा कि डांडिया महोत्सव की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि क्लब के सभी सदस्यों ने सपरिवार सहभागिता कर यह साबित किया कि वे केवल एक क्लब के सदस्य नहीं, बल्कि एक सशक्त रॉयल परिवार हैं। उन्होंने कहा कि संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों, निवर्तमान अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यक्रम संयोजकों एवं सभी सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों से आयोजन सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा। अंत में अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों, पूर्व अध्यक्षों, निर्णायक मंडल, कार्यक्रम संयोजकों, विजेताओं, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों सहित समस्त रॉयल परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने का लिया संकल्प, निकली जन एकता यात्रा

राष्ट्रवादी नौजवान सभा की यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से तिलकधारी महाविद्यालय तक गूंजे एकता के नारे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सशक्त भारत के निर्माण में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रवादी नौजवान सभा की ओर से शनिवार को उनकी जयंती के अवसर पर भव्य 'जन एकता यात्रा-2026' निकाली गई। यात्रा में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ही दूरदराज के इलाकों से पहुंचे लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।



यात्रा का शुभारंभ मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के मैदान से हुआ। यहां से निकली यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए तिलकधारी महाविद्यालय परिसर स्थित महाराणा प्रताप व्यायामशाला पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल लोगों के उत्साह और जोश से माहौल राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने तथा देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता पूर्व सांसद धनंजय सिंह एवं विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश की एकता और मजबूती के लिए सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। राष्ट्रवादी नौजवान सभा कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं को राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सकारात्मक सोच के प्रति जागरूक करने वाला संगठन है। सरदार पटेल का जीवन हमें



आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र की मजबूती के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी थी। उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।इस मौके पर विनय सिंह प्रमुख, केडी सिंह प्रमुख, नवीन सिंह, राणा प्रताप सिंह, अब्दुल्ला तिवारी, दुर्गेश सिंह, डॉ. अब्बासी,शैलेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र में धूमधाम से मनी सरदार पटेल की 151वीं जयंती

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के तत्वावधान में शनिवार को डीबीए सभागार में लौह पुरुष एवं देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री एवं डीजीसी रामजियावान सिंह यादव ने की। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी राजनीतिक सूझबूझ और कुशल नेतृत्व से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया। आधुनिक भारत के निर्माण में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सशक्त प्रतीक थे। उनका संपूर्ण जीवन देशहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार और संघर्ष आज भी देशवासियों को प्रेरणा देते हैं।

पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम का कुशल संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। अंत में उपस्थित



अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रदीप कुमार मौर्य, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेश कुमार यादव, पंकज यादव, राजकुमार सिंह, सुरेश सिंह, रियाज खान, संतोष यादव, कामता प्रसाद यादव, संगीता, सुमन एडवोकेट, अनूप शुक्ला, आकृति निर्भया, बीपी सिंह, चतुर्भुज शर्मा, सुदेश कुमार, हरिद्वार, रामगुल्ली यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, बरदह थाने में दी गई तहरीर

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र में मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल गौराबादशाहपुर निवासी युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बरदह थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर रही है। मृतक के भाई दीपू अग्रहरी के द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 की शाम करीब सात बजे युवक के बड़े भाई सतीश अग्रहरी के साथ रास्ते में मारपीट की घटना हुई। आरोप है कि गौरा कस्बा निवासी राजेश विश्वकर्मा ने सिर पर प्रहार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। परिजनों ने बरदह थाने में प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कर आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना के बाद बरदह पुलिस पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुटी है। मौके पर गौराबादशाहपुर और आजमगढ़ पुलिस भी मौजूद रही।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में पार्टी कार्यकर्ताओं ने इंदिरा चौक बदलापुर पर स्थापित श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस जनों ने उन्हें



नमन किया साथ में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर देश के निर्माण में उनके कार्यों पर चर्चा करते हुए सरदार पटेल को नमन किया। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी साक्षात दुर्गा स्वरुपा थी, उनके अदम्य साहस और त्वरित निर्णयों से पूरा विश्व उनका लोहा मानता था। कांग्रेस नेता राकेश मिश्रा ने श्रीमती इंदिरा गांधी जी को विश्व का भूगोल बदलने वाली नेता बताते हुए कहा कि पाकिस्तान के एक लाख शशस्त्र सैनिकों को आत्मसमर्पण कराकर बंग्लादेश का निर्माण किया एवं भारत को परमाणु सम्पन्न देश बनाया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला प्रसाद तिवारी ने श्रीमती इंदिरा गांधी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल को देश की एकता और अखंडता का मिशाल बताते हुए कहा कि देश की उन्नति और विकास ही हर नेता, जनप्रतिनिधि और लोगों का परम कर्तव्य होना चाहिये। इस मौके पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी बदलापुर के अध्यक्ष महात्मा प्रसाद शुक्ला, बृजेश दूबे, सुंदरम पांडेय, किशन मिश्रा, पूर्व प्रधान रामजियावन तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इकरार खान जेसीआई शाहगंज संस्कार के अध्यक्ष चुने गए

कुशाग्र अग्रहरि सचिव और मिनहाज इराकी कोषाध्यक्ष बने

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज में जेसीआई शाहगंज संस्कार की चुनावी बैठक में इकरार खान को वर्ष 2027 का अध्यक्ष चुना गया। कुशाग्र अग्रहरि सचिव और मिनहाज इराकी कोषाध्यक्ष बने।

बैठक गुरुवार रात इराकियाना मोहल्ले के ग्रैंड लॉन में हुई। यह संस्था जूनियर चैंबर इंटरनेशनल की स्थानीय शाखा है। इकरार खान संस्थापक सदस्य हैं और पहले पीआरओ की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चुनाव अधिकारी पूर्व अध्यक्ष और मंडल उपाध्यक्ष विनायक गुप्ता, अखलाक खान, गुलाम साबिर, सरफराज अहमद और सीए बिजेन्द्र अग्रहरि थे। अध्यक्ष पद के लिए इकरार खान का नाम प्रस्तावित हुआ। सदस्यों और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव मंजूर किया।

वर्तमान अध्यक्ष रविशंकर चतुर्वेदी ने इकरार खान को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इकरार खान ने सचिव कुशाग्र अग्रहरि और



कोषाध्यक्ष मिनहाज इराकी को शपथ दिलाई। संस्था के सदस्यों ने नए पदाधिकारियों को माल्यार्पण और अंगवस्त्र देकर बधाई दी। उन्होंने नए अध्यक्ष को कार्यकाल में सहयोग देने की बात कही।

इकरार खान ने कहा कि वह मिली जिम्मेदारी निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व अध्यक्ष और टीम के सहयोग से संस्था सामाजिक सरोकारों, जनजागरूकता और व्यक्तित्व विकास के काम करेगी।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष पंकज सिंह, मो. शाहिद नईम, सचिव अखिलेश पांडेय, राजकुमार अश्क, सानू अली, शाहिद अंसारी, राजेश सिंह एडवोकेट, मुराद अली बंटी, फजले इलाही, हसन मेंहदी और मो. आसिफ मौजूद रहे।

सरदार पटेल के त्याग और अनुशासन से प्रेरणा लें विद्यार्थीः कुलपति प्रो.आरके सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक, लखनऊ के चेयरमैन जितेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि आज के इस दौर में, जब देश को वैचारिक और सामाजिक एकता की सबसे अधिक आवश्यकता है, सरदार पटेल के विचार और आदर्श हमारे लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश पुंज की तरह हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानना चाहिए और अनुशासन के साथ 'राष्ट्र-प्रथम' की भावना को अपने आचरण में उतारना चाहिए। सरदार पटेल के दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम अपनी मेहनत और निष्ठा से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के महान संकल्प को साकार कर सकते हैं।समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में तमाम कठिनाइयां सहते हुए भी देशहित के प्रति अपना समर्पण हमेशा बनाए रखा। उनका त्याग आज की युवा पीढ़ी को यह सिखाता है कि बड़े उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए धैर्य, अनुशासन और व्यक्तिगत सुविधाओं से ऊपर उठकर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर विपरीत



परिस्थितियों में हिम्मत बनाए रखें, पूरी ईमानदारी से अध्ययन करें और अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करें।

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित समारोह में सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण, अखंड भारत के संकल्प और राष्ट्रीय एकता में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया गया। टीडी कॉलेज के शिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र विश्नोई द्वारा देश के हर व्यक्ति में स्वाभिमान होना चाहिए,नित्य वन्देमातरम का गान होना चाहिए प्रस्तुत किया। डॉ. नरेन्द्र देव पाठक ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने एकल और समूह गान और नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इसके साथ की विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से रंगोली बनाकर देश की एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के पूर्व महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, वीर बहादुर सिंह एवं महंत अवेद्यनाथ की मूर्ति पर अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। समारोह में सांस्कृतिक समिति के संयोजक प्रो. मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रसिकेश और राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने किया, संचालन अभिनव कीर्ति एवं अवंतिका यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र समेत विभिन्न संकायों के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी और एसएसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने शनिवार को जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान जेल अधीक्षक भी मौजूद रहे।



निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों, भोजनालय, चिकित्सालय, मुलाकाती कक्ष, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

इसके अलावा कारागार के अभिलेखों, सुरक्षा उपकरणों एवं साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, नियमित निगरानी करने तथा बंदियों को नियमानुसार सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आचार्य नरेंद्र देव और सरदार पटेल के विचार आज भी प्रासंगिकः राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में आचार्य नरेंद्र देव एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव के समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक विचार सामाजिक न्याय और समानता की प्रेरणा देते हैं। वहीं सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी नेतृत्व से देश की रियासतों का एकीकरण कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव के समाजवाद और सरदार पटेल की राष्ट्रीय एकता की भावना से ही मजबूत, समतामूलक भारत का निर्माण संभव है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सद्भाव की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस अवसर पर दीपचंद राम, श्याम बहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, राजेंद्र यादव टाइगर, रमापति यादव, दीपक विश्वकर्मा, पूनम मौर्य, अलमास अहमद सिद्दीकी, शाहनवाज अहमद, डॉ. वीरेंद्र यादव, उषा जायसवाल, अशोक मिश्रा, संदीप यदुवंशी, नज्में आलम, अशफाक मंसूरी, सुशीला यादव, सोनी सेठ, पिंकी गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रातभर में दिल्ली, भविष्य में साढ़े तीन घंटे!

-सुरेश गांधी

वाराणसी. कभी जिन शहरों के बीच की दूरी तय करने में पूरा दिन निकल जाता था, वहां पहुंचने का सपना अब कुछ घंटों में साकार हो सकता है। भारतीय रेल के भविष्य का यही नया खाका 31 अक्टूबर को काशी में सामने आया, जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन के प्रस्तावित नॉर्दर्न कॉरिडोर की जानकारी देते हुए दिल्ली से वाराणसी की यात्रा महज तीन घंटे 33 मिनट में पूरी होने की संभावना जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी मिलने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर आने वाली पीढ़ियों के लिए परिवहन की तस्वीर बदल सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से शुरू होकर यह हाईस्पीड रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों को जोड़ते हुए बिहार और पूर्वोत्तर भारत तक पहुंचेगा। रेल मंत्री के मुताबिक प्रस्तावित नॉर्दर्न कॉरिडोर दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगा। इसके बाद पटना, सिलीगुड़ी और गुवाहाटी तक संपर्क की परिकल्पना है। इस नेटवर्क से उत्तर भारत के धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से घट सकता है।

रेल मंत्री ने अपने संबोधन में अलग-अलग शहरों के बीच संभावित यात्रा समय का भी ब्योरा दिया। उनके अनुसार दिल्ली से आगरा की दूरी महज 59 मिनट में पूरी हो सकेगी। दिल्ली से कानपुर पहुंचने में एक घंटा 45 मिनट और दिल्ली से लखनऊ जाने में करीब दो घंटे 12 मिनट लगेंगे। इसी तरह काशी से लखनऊ की दूरी एक घंटा 21 मिनट, काशी से पटना एक घंटा और काशी से प्रयागराज महज 33 मिनट में तय करने का लक्ष्य बताया गया। सबसे महत्वपूर्ण दिल्ली-काशी का सफर होगा, जो प्रस्तावित बुलेट ट्रेन से तीन घंटे 33 मिनट में पूरा हो सकेगा। काशी से आगरा की यात्रा भी करीब दो घंटे 34 मिनट में पूरी करने का अनुमान है। रेल मंत्री ने इन संभावित समयों को समझाने के लिए कानपुर के मशहूर ठग्गू के लड्डू का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से कानपुर जाकर लड्डू खाने और वापस दिल्ली लौटने तक का सफर भी भविष्य में बेहद आसान हो सकता है। उनका आशय था कि हाईस्पीड रेल केवल लंबी दूरी की यात्रा नहीं घटाएगी, बल्कि शहरों के बीच व्यापार, पर्यटन और व्यक्तिगत संपर्क के नए अवसर भी पैदा करेगी।



बुलेट ट्रेन को रेल मंत्री ने केवल अमीरों या बड़े शहरों के यात्रियों की सुविधा तक सीमित परियोजना नहीं बताया। उन्होंने कहा कि इसका लाभ मध्यमवर्गीय परिवारों, युवाओं, छोटे उद्यमियों, कारीगरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को भी मिलेगा। कम समय में बड़े शहरों तक पहुंच संभव होने से कारोबार, शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के अवसरों का दायरा बढ़ेगा। दरअसल, हाईस्पीड रेल का प्रभाव केवल यात्रा के समय में कमी तक सीमित नहीं रहता। इसके आसपास विकसित होने वाले स्टेशन, व्यावसायिक गतिविधियां, होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और अन्य सेवाएं भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देती हैं। पूर्वांचल के लिए इसका महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि यहां धार्मिक पर्यटन के साथ हथकरघा, हस्तशिल्प, कालीन, कृषि और छोटे उद्योगों की बड़ी संभावनाएं हैं। काशी से लखनऊ, प्रयागराज और पटना की दूरी घटने से पूर्वांचल के व्यापारियों को बड़े बाजारों तक पहुंचने का नया अवसर मिल सकता है। वहीं विद्यार्थियों और मरीजों के लिए भी महानगरों तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है।

प्रस्तावित कॉरिडोर की एक बड़ी विशेषता उत्तर प्रदेश के तीन प्रमुख धार्मिक केंद्रों को हाईस्पीड नेटवर्क से जोड़ने की संभावना है। अयोध्या, काशी और प्रयागराज पहले से ही देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम और प्रयागराज में संगम की धार्मिक महत्ता को देखते हुए यह नेटवर्क धार्मिक पर्यटन को नई दिशा दे सकता है। अभी इन शहरों के बीच यात्रा में सड़क और सामान्य रेल सेवाओं पर निर्भरता अधिक है। बुलेट ट्रेन की सुविधा विकसित होने पर श्रद्धालुओं के लिए एक ही यात्रा में कई धार्मिक स्थलों तक पहुंचना आसान हो सकता है। इससे होटल, परिवहन, स्थानीय बाजार, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़े रोजगार को भी प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

इस कॉरिडोर का विस्तार पटना, सिलीगुड़ी और गुवाहाटी तक होने की परिकल्पना इसे राष्ट्रीय महत्व का बना देती है। बिहार और पूर्वोत्तर भारत को दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों से तेज रेल संपर्क मिलने से शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं। सिलीगुड़ी पूर्वोत्तर भारत का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। वहीं गुवाहाटी पूर्वोत्तर की आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में काशी से आगे इस नेटवर्क का विस्तार पूर्वांचल को पूर्वोत्तर भारत से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी बन सकता है।

रेल मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन के निर्माण में भारत की तकनीकी क्षमता और स्वदेशी इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डिजाइन से लेकर निर्माण तक भारतीय युवाओं, इंजीनियरों, वेल्डरों और तकनीकी कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि पिलर से लेकर ट्रैक और अन्य निर्माण कार्यों तक मानकीकरण किया जाएगा। उनके मुताबिक यह परियोजना केवल आज की जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए तैयार की जा रही है। उन्होंने इसे ऐसी सुविधा बताया, जिसका लाभ देश को दशकों तक और संभवतः एक सदी तक मिलता रहेगा। हालांकि बुलेट ट्रेन का सपना जितना आकर्षक है, उसे जमीन पर उतारना उतना ही चुनौतीपूर्ण होगा। हाईस्पीड रेल परियोजनाओं में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता, भूमि अधिग्रहण, वित्तीय संसाधन, पर्यावरणीय स्वीकृतियां, पुलों और सुरंगों का निर्माण, अत्याधुनिक सिग्नलिंग तथा विशेष ट्रैक जैसी व्यवस्थाएं जरूरी होती हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 में दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी समेत सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। रेल मंत्रालय के अनुसार किसी कॉरिडोर को अंतिम परियोजना स्वीकृति देने का निर्णय डीपीआर, तकनीकी-आर्थिक अध्ययन और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। इसलिए रेल मंत्री की ओर से नॉर्दर्न कॉरिडोर को प्रधानमंत्री की मंजूरी मिलने की घोषणा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके विस्तृत रूट, डीपीआर, लागत, निर्माण अवधि और नियमित परिचालन की तारीख का इंतजार रहेगा। काशी में वंदे भारत स्लीपर के शुभारंभ के बीच बुलेट ट्रेन का यह खाका भविष्य की उस तस्वीर को सामने लाता है, जिसमें दूरी केवल किलोमीटर से नहीं, समय से मापी जाएगी। अगर यह परिकल्पना धरातल पर उतरती है तो दिल्ली और काशी के बीच की दूरी भौगोलिक रूप से उतनी ही रहेगी, लेकिन यात्रा का अनुभव पूरी तरह बदल जाएगा।

दिल्ली से काशी सिर्फ 3 घंटे 33 मिनट में!

अज्जू भैया की अगुवाई में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान का ऐतिहासिक अभिनंदन



-अरशद अली

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के सतहरिया स्थित शुभम पैलेस में शनिवार दोपहर 3 बजे केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान जी के प्रथम आगमन पर एक ऐतिहासिक स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। 368 विधानसभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के भाजपा प्रत्याशी व युवा नेता अजय शंकर दूबे (अज्जू भईया) के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। अजय शंकर दूबे (अज्जू भईया) ने मुख्य अतिथि केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि इसमें पासी समाज के लोगों ने बहुत बड़ी तादाद में हिस्सा लेकर केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी एकजुटता का ताकत दिखाया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मछलीशहर के पूर्व सांसद बी.पी. सरोज ने की।बीजेपी के दिग्गज नेताओं के मंच पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारों और फूलों मालाओं के साथ उनका स्वागत किया। अभिनंदन समारोह कार्यक्रम में मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी धर्मेंद्र सरोज भी अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ भारी तादाद में शामिल हुए। धर्मेंद्र सरोज और उनके कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान जी ने विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का यह अपार स्नेह और पासी समाज का यह जनसमर्थन सरकार की नीतियों में जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। आयोजक अजय शंकर दूबे (अज्जू भईया) ने क्षेत्र की जनता और दूर-दराज से आए सभी समर्थकों व पासी समाज के बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंगराबादशाहपुर की जनता हमेशा विकास और राष्ट्रवाद के साथ खड़ी रही है। कार्यक्रम में क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान के पिता के निधन से शोक की लहर



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान के पिता शमीम अहमद इब्ने नूरुद्दीन खान के निधन से महाविद्यालय परिवार में शोक व्याप्त है। उनके निधन पर महाविद्यालय परिवार ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। दिवंगत शमीम अहमद को 31 अक्टूबर 2026 को दोपहर एक बजे जोहर की नमाज के बाद ग्राम उत्तर पट्टी, पोस्ट बघैला, मल्हनी बाजार, विकासखंड करंजाकला स्थित पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। महाविद्यालय परिवार ने दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में महिला की मौत, पति ने थाने में दी तहरीर

गौराबादशाहपुर , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के पिलखिनी गांव के पास शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान पिलखिनी गांव निवासी चंद्रकला (36) पत्नी अनिल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अनिल अपनी पत्नी के साथ बाइक से गौराबादशाहपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गांव के पास पुलिया लदे ट्रैक्टर से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में चंद्रकला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ट्रैक्टर और उसके चालक को थाने ले गई। मृतका के पति ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जौनपुर पुलिस ने ली एकता-अखंडता की शपथ



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। एएसपी ग्रामीण और सीओ सिटी की मौजूदगी में पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। सभी थानों पर भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुए। पुलिसकर्मियों ने एकता, सद्भाव और कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया।

रोहित ने फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा के राजपाल यादव और कीकू शारदा वाले एपिसोड को बताया बेस्ट

पटना। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा के आगामी एपिसोड में कॉमेडी और क्रिकेट का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। राजपाल यादव, कीकू शारदा, परितोष त्रिपाठी, गौरव गेरा, फरहाद सामजी, सुरेश मेनन, हेमंत पांडे और व्रजेश हिरजी अपनी कॉमेडी से दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। यह एपिसोड कॉमेडी की दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय कलाकारों को एक मंच पर लेकर आता है। कॉमेडी के बीच रोहित ने एक निजी याद भी साझा की कि कैसे राजपाल यादव की फिल्मों ने मैदान पर एक मुश्किल दिन के बाद उन्हें निराशा से उबरने में मदद की। फिर रोहित ने 2016 का एक पुराना वीडियो दिखाया जिसमें वह एक ऐप के जरिए राजपाल यादव के डायलॉग्स पर वीडियो बनाते नजर आए।

जौनपुर में अंतरराज्यीय असलहा तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, सरगना समेत पांच गिरफ्तार

7.58 लाख रुपये नकद, प्रतिबंधित पिस्टल, राइफल और 200 कारतूस बरामद



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध असलहा तस्कर गिरोह का पदार्फाश करते हुए मुख्य सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो 12 बोर बंदूक, 200 जिंदा कारतूस, एक 22 बोर राइफल, एक प्रतिबंधित 9 एमएम पिस्टल, एक .45 बोर ग्लॉक पिस्टल, विभिन्न बोर के कारतूस, 7 लाख 58 हजार रुपये नकद और 11 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर को सुजानगंज थाना क्षेत्र के कुरांवां नहर पुलिया के पास अवैध असलहों की खरीद-फरोख्त की सूचना मिली थी। थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शुभम सिंह उर्फ शिवा सिंह निवासी जुड़ापुर थाना सरपतहां, संतोष कुमार निवासी छीतमपट्टी थाना सरपतहां तथा मध्य प्रदेश के शहडोल निवासी सौरभ सिंह, अनीश सिंह और दिग्विजय सिंह शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह का सरगना शुभम सिंह उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली समेत कई राज्यों में अवैध हथियारों की तस्करी करता था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में अवैध असलहा एवं कारतूस तस्करी के करीब डेढ़ दर्जन मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। वर्ष 2022 में बिहार के पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में सोन नदी के इलाके में हुए बालू खनन से जुड़े गैंगवार में भी हथियारों की आपूर्ति किए जाने की जानकारी सामने आई है। जांच में कानपुर के हैरिस गन हाउस से भी कुछ हथियारों की आपूर्ति का लिंक सामने आने की बात पुलिस ने कही है। गन हाउस के प्रोपराइटर अब्दुल्ला खान सहित अन्य राज्यों के कुछ आरोपी वांछित बताए गए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें प्रयासरत हैं।

पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया है। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और अन्य आपराधिक गतिविधियों की जांच कर रही है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बदलापुर अजय कुमार राय के पर्यवेक्षण में की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आबकारी विभाग द्वारा विभिन्न विद्यालयों में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बलरामपुर। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जनपद में आबकारी विभाग द्वारा नशामुक्त भारत के निर्माण का संदेश देते हुए विभिन्न विद्यालयों में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग, नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। इसी क्रम में डी.ए.वी. इंटर कॉलेज, सिटी बलरामपुर में आबकारी विभाग के सर्किल-1, सिटी बलरामपुर के आबकारी निरीक्षक श्री आर.डी. वर्मा द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से बचाव तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान आबकारी निरीक्षक द्वारा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूक करते हुए बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, भविष्य एवं सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ, सशक्त एवं नशामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल बालिका इंटर कॉलेज, श्रीदत्तगंज, उतरौला में भी राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत इंटरमीडिएट की छात्राओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प दिलाया गया। छात्राओं को बताया गया कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी स्वयं जागरूक रहकर अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस अवसर पर छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण के आदर्शों को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रहित एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। आबकारी विभाग द्वारा आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों के सेवन एवं दुरुपयोग से बचाना, उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण को बढ़ावा देना रहा।

मिग से सुखोई तक महारत, अब वायुसेना के उप प्रमुख होंगे इंद्रपाल सिंह वालिया



वाराणसी। भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया (एवीएसएम, वीएम) एक नवंबर से वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ) का पदभार संभालेंगे। फिलहाल वह पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की ओर से 30 अक्टूबर को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, वह एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे। करीब चार दशक के सैन्य करियर में एयर मार्शल वालिया ने लड़ाकू विमान उड़ाने से लेकर महत्वपूर्ण सैन्य संस्थानों की कमान और उच्चस्तरीय प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक अपनी दक्षता का परिचय दिया है। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र हैं। 11 जून 1988 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने के साथ उनके सैन्य जीवन की शुरूआत हुई।

एयर मार्शल वालिया की सैन्य विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण पक्ष विभिन्न पीढ़ियों के लड़ाकू विमानों पर उनका अनुभव है। वह मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और सुखोई-30 एमकेआई के सभी संस्करणों पर योग्य हैं। इन विमानों पर उनकी दक्षता भारतीय वायुसेना के अलग-अलग दौर के लड़ाकू विमान बेड़े से उनके लंबे जुड़ाव को दशार्ती है। उनका अनुभव केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने एक अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू स्क्वाड्रन की कमान संभाली। इसके बाद टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (टीएसडीई) का नेतृत्व किया। यह उनके करियर की महत्वपूर्ण कमान नियुक्तियों में शामिल रहा। वह एयर फोर्स स्टेशन बरेली के एयर ऑफिसर कमांडिंग भी रह चुके हैं।

अपने करियर में उन्होंने भारतीय वायुसेना के एयर स्टाफ इंस्पेक्शन निदेशालय (डीएएसआई) का नेतृत्व किया। इसके अलावा पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में भी सेवाएं दीं। वर्तमान में वह इसी कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं। उनकी इन नियुक्तियों में परिचालन कमान, सैन्य निरीक्षण, वायु युद्ध की रणनीति और वायुसेना के प्रशासनिक दायित्वों का व्यापक अनुभव समाहित है।

एयर मार्शल वालिया ने अपने पेशेवर ज्ञान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार दिया है। उन्होंने ब्रिटेन में एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स तथा बांग्लादेश में नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया स्थित भारतीय दूतावासों में रक्षा अताशे के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इस भूमिका में उन्होंने दोनों देशों में भारत के रक्षा प्रतिनिधि के रूप में काम किया।

प्रजापति समाज को ब्रजेश कुमार प्रजापति जैसे मुखर नेतृत्व की जरूरत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज ने समय-समय पर अपने बीच से अनेक विधायक, सांसद और मंत्री दिए हैं। समाज के अलग-अलग प्रतिनिधियों ने विधानसभा से लेकर जिले और प्रदेश के विभिन्न स्तरों पर अपनी भूमिका निभाई है। निश्चित रूप से उनका अपना योगदान और महत्व रहा है, लेकिन यदि प्रजापति समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से आगे बढ़कर उसके हक-अधिकार, सामाजिक सम्मान, राजनीतिक पहचान और ऐतिहासिक उपलब्धियों के लिए किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया जाए, तो पूर्व विधायक बृजेश प्रजापति का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय दिखाई देता है। वे केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि समाज के बीच लोकप्रिय, मिलनसार, अध्ययनशील और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने विधायक के रूप में प्राप्त पद और राजनीतिक पहुंच को व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसका इस्तेमाल पूरे प्रजापति समाज को संगठित करने और उसे सत्ता के गलियारों तक अपनी बात पहुंचाने का अवसर देने के लिए किया। विधायक बनने के बाद बृजेश प्रजापति ने प्रजापति समाज के लिए ऐसा काम किया, जिसका प्रभाव केवल जनपद बांदा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में दिखाई दिया। उन्होंने प्रदेश के अलग-अलग जिलों से प्रजापति समाज के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर तत्कालीन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात कराई। यह महज एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि प्रदेश स्तर पर प्रजापति समाज की सामूहिक राजनीतिक उपस्थिति और उसकी सामाजिक पहचान को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। इस प्रयास ने समाज को यह एहसास कराया कि यदि अपनी सामूहिक ताकत, संगठन और नेतृत्व को एक दिशा दी जाए तो सत्ता के शीर्ष स्तर तक अपनी आवाज पहुंचाई जा सकती है। इसी क्रम में वर्ष 2018 में माटी कला बोर्ड का गठन कराना उनके प्रयासों की एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सामने आया। इस बोर्ड के गठन ने मिट्टी के पारंपरिक शिल्प और उससे जुड़े कारीगरों को संस्थागत पहचान देने का रास्ता खोला। आज प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रजापति समाज के लोगों की बोर्ड में सदस्य के रूप में भागीदारी और उनकी सक्रियता इस पहल के महत्व को रेखांकित करती है। किसी समाज के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि उसकी परंपरागत कला, आजीविका और पहचान को सरकारी व्यवस्था में एक स्थान मिले। उनका योगदान केवल सरकारी बोर्ड के गठन या मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने तक ही सीमित नहीं रहा। विधायक रहने के दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को भी प्राथमिकता



दी, लेकिन इसके साथ-साथ बुंदेलखंड से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल तक प्रजापति समाज के बीच निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित किया। उन्होंने अलग-अलग जनपदों में समाज के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और उन्हें साझा मंच उपलब्ध कराने का काम किया। समाज के भीतर बिखरी हुई सामूहिक शक्ति को एक पहचान और दिशा देने का यह प्रयास किसी एक विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि की सीमाओं से कहीं आगे का काम था। यही वजह है कि बृजेश प्रजापति की पहचान केवल एक पूर्व विधायक के रूप में नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर पर समाज को जोड़ने वाले प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित हुई। किसी भी समाज के इतिहास में ऐसे नेतृत्व की अपनी विशेष जगह होती है, जो केवल चुनाव जीतने तक सीमित न रहे, बल्कि समाज को अपनी ताकत पहचानना और अपने अधिकारों के लिए संगठित होना भी सिखाए। इसके बाद वर्ष 2024 में उन्होंने देवरिया की धरती पर शहीद क्रांतिकारी रामचंद्र विद्यार्थी जी की स्मृति और उनसे जुड़े ऐतिहासिक स्थल को बचाने के लिए तीन दिनों तक भूख हड़ताल की। यह संघर्ष किसी राजनीतिक पद या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं था, बल्कि उस ऐतिहासिक विरासत के सम्मान और संरक्षण के लिए था, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। जब सरकार के स्तर पर अपेक्षित समाधान नहीं मिला, तब उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जनपदों तक शहीद सम्मान यात्रा के माध्यम से इस सवाल को पहुंचाने का अभियान चलाया। इस आंदोलन ने यह संदेश दिया कि समाज अपने महापुरुषों, शहीदों और ऐतिहासिक विरासत के सम्मान के प्रश्न पर चुप बैठने वाला नहीं है। यह केवल बृजेश प्रजापति का संघर्ष नहीं था, बल्कि समाज के स्वाभिमान, इतिहास और सम्मान को बचाने की सामूहिक लड़ाई थी। इस पूरे घटनाक्रम में उनकी भूमिका ने यह साबित किया कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ केवल मंचों पर भाषण देना नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर स्वयं संघर्ष के मैदान में उतरना भी है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में इंडिया गठबंधन की एकता और उसके भीतर पैदा होने वाले राजनीतिक भ्रम को लेकर भी बृजेश प्रजापति ने अपनी बात मजबूती से रखी। गठबंधन की एकजुटता को कमजोर करने वाले प्रयासों के विरुद्ध उन्होंने जो राजनीतिक और वैचारिक पक्ष रखा, उसे भी उनके सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में देखा जाना चाहिए। यह उनके नेतृत्व का एक दूसरा पक्ष है, जहां वे समाज के सवालों के साथ-साथ व्यापक राजनीतिक परिस्थितियों पर भी अपनी स्पष्ट समझ और दृष्टिकोण रखते हैं। दरअसल, किसी व्यक्ति के योगदान का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसने कितने पद प्राप्त किए, कितने चुनाव लड़े या कितनी बार सत्ता में रहा। असली मूल्यांकन इस बात से होता है कि उसके प्रयासों से समाज को क्या मिला, उसकी पहचान कितनी मजबूत हुई, उसके अधिकारों की लड़ाई को कितनी आवाज मिली और आने वाली पीढ़ियों के लिए उसने कौन-सी उपलब्धियां छोड़ीं। इस कसौटी पर बृजेश प्रजापति का सार्वजनिक जीवन और प्रजापति समाज के लिए किए गए उनके प्रयास विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने समाज को केवल प्रतिनिधित्व की बात नहीं समझाई, बल्कि प्रतिनिधित्व को सामाजिक शक्ति में बदलने का रास्ता दिखाया। उनका योगदान इस बात की याद दिलाता है कि समाज को केवल अपने बीच से जनप्रतिनिधि चुनने की जरूरत नहीं है, बल्कि ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो समाज के लोगों को एकजुट करे, उनकी ऐतिहासिक पहचान को सम्मान दिलाए और उनके हक-अधिकारों के लिए सत्

पटरियों पर दौड़ता भविष्य, आंखों में बुलेट ट्रेन का सपना

वाराणसी। भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया (एवीएसएम, वीएम) एक नवंबर से वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ) का पदभार संभालेंगे। फिलहाल वह पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की ओर से 30 अक्टूबर को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, वह एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे।

करीब चार दशक के सैन्य करियर में एयर मार्शल वालिया ने लड़ाकू विमान उड़ाने से लेकर महत्वपूर्ण सैन्य संस्थानों की कमान और उच्चस्तरीय प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक अपनी दक्षता का परिचय दिया है। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र हैं। 11 जून 1988 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने के साथ उनके सैन्य जीवन की शुरूआत हुई।

एयर मार्शल वालिया की सैन्य विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण पक्ष विभिन्न पीढ़ियों के लड़ाकू विमानों पर उनका अनुभव है। वह मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और सुखोई-30 एमकेआई के सभी संस्करणों पर योग्य हैं। इन विमानों पर उनकी दक्षता भारतीय वायुसेना के अलग-अलग दौर के लड़ाकू विमान बेड़े से उनके लंबे जुड़ाव को दशार्ती है। उनका अनुभव केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने एक अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू स्क्वाड्रन की कमान संभाली। इसके बाद टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (टीएसीडीई) का नेतृत्व किया। यह उनके करियर की महत्वपूर्ण कमान नियुक्तियों में शामिल रहा। वह एयर



फोर्स स्टेशन बरेली के एयर ऑफिसर कमांडिंग भी रह चुके हैं।

निरीक्षण से लेकर पूर्वी वायु कमान तक जिम्मेदारी

अपने करियर में उन्होंने भारतीय वायुसेना के एयर स्टाफ इंस्पेक्शन निदेशालय (डीएएसआई) का नेतृत्व किया। इसके अलावा पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में भी सेवाएं दीं। वर्तमान में वह इसी कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं। उनकी इन नियुक्तियों में परिचालन कमान, सैन्य निरीक्षण, वायु युद्ध की रणनीति और वायुसेना के प्रशासनिक दायित्वों का व्यापक अनुभव समाहित है।

ब्रिटेन और बांग्लादेश में हासिल किया उच्च सैन्य प्रशिक्षण

एयर मार्शल वालिया ने अपने पेशेवर ज्ञान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार दिया है। उन्होंने ब्रिटेन में एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स तथा बांग्लादेश में नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया स्थित भारतीय दूतावासों में रक्षा अताशे के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इस भूमिका में उन्होंने दोनों देशों में भारत के रक्षा प्रतिनिधि के रूप में काम किया।

रक्षा अध्ययन में तीन स्नातकोत्तर डिग्रियां

सैन्य दक्षता के साथ शिक्षा और अध्ययन के प्रति भी उनकी विशेष रुचि है। पीआईबी की विज्ञप्ति के अनुसार, वह पढ़ने के शौकीन हैं और उनके पास रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में तीन स्नातकोत्तर डिग्रियां हैं। विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 2008 में वायु सेना पदक (वीएम) और वर्ष 2018 में अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया। एक नवंबर से उप प्रमुख का पदभार संभालने के साथ एयर मार्शल वालिया भारतीय वायुसेना के शीर्ष नेतृत्व में नई जिम्मेदारी निभाएंगे। उनका लगभग चार दशक का अनुभव, लड़ाकू विमानों पर दक्षता, विभिन्न कमान नियुक्तियां और अंतरराष्ट्रीय रक्षा अनुभव उनके सैन्य करियर की प्रमुख उपलब्धियां हैं।

फर्जी पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज, दोषियों पर हो सख्त कानूनी कार्रवाई

वास्तविक पत्रकारों ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से अभियान चलाकर फर्जी पत्रकारों को चिह्नित करने की उठाई मांग

- नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। बलरामपुर। पत्रकारिता की आड़ में कथित वसूली और ब्लैकमेलिंग करने वालों के खिलाफ वास्तविक पत्रकारों की आवाज बुलंद होने लगी है। पत्रकारों ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से फर्जी पत्रकारों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पत्रकारों ने हमीरपुर जिला प्रशासन द्वारा फर्जी पत्रकारों के खिलाफ की गई कार्रवाई का स्वागत करते हुए बलरामपुर में भी इसी तरह का अभियान चलाने की अपील की। पत्रकार कुंवर दिवाकर सिंह ने कहा कि फर्जी पत्रकार जिम्मेदार पत्रकारिता की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, पत्रकार एसपी सिंह परिहार ने आरोप लगाया कि कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली करते हैं। उन्होंने प्रशासन से ऐसे लोगों की पहचान कर साक्ष्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गजेंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का धौंस दिखाकर छोटी-छोटी रकम की अवैध वसूली करने वालों पर अंकुश लगाना जरूरी है। वरिष्ठ पत्रकार नान बाबू चौहान ने कहा कि पत्रकारिता के लगभग दो दशक के अनुभव के दौरान फर्जी पत्रकारों की बढ़ती गतिविधियां चिंता का विषय बनी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक पत्रकार प्रशासन के साथ मिलकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग करने को तैयार हैं। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव ने भी फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो पत्रकारिता की गरिमा और विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। पत्रकारों ने मांग की है कि जिला एवं पुलिस प्रशासन अभियान चलाकर फर्जी पत्रकारों को चिह्नित करे तथा धोखाधड़ी, धमकी या अवैध वसूली में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

इंदौर के यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के सहायक प्रबंधक दिपक मुजमेर का विदाई समारोह संपन्न



इंदौर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार युनाईटेड इन्डिया इन्शयूरेंस कं डी.ओ. 2 आई.डी.ए. बिल्डिंग 7 रेस कोर्स रोड इंदौर में यूनाइटेड इन्डिया इंश्योरेंस कंपनी लि. के सहायक प्रबंधक दीपक मुजमेर के सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन अत्यंत भावपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। दिपक मुजमेर ने 38 वर्ष अपनी सेवाएं प्रदान की थी। आपने अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। अपने अद्वितीय मार्गदर्शन, समर्पण और निष्ठा से कंपनी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस अवसर पर कार्यालय परिवार, अधिकारी गण, कर्मचारी एवं मित्रगण उपस्थित रहें कंपनी से सेवा निवृत्त गोविंद प्रसाद सोनी, प्रदीप व्यास, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, इंदौर के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी, संतोष मुंशीजी, गोविंद प्रसाद सोनी ने सेवानिवृत्त हुए दीपक मुजमेर को बधाई देते हुए कहा कि बहुत ही गर्व और खुशी की बात है कि हम सबके प्रिय साथी भाई श्री दीपक मुजमेर- सहायक-प्रबंधक के पद से सेवानिवृत हुए। दीपक को इस शुभ अवसर पर लोगों ने लाखों-लाख बधाईयां, ढेरों शुभकामनाएं और कोटि-कोटि आशीर्वाद प्रदान किया।

भाई दीपक बहुत ही कर्मठ और होनहार अधिकारी थे। दीपक भाई आप जीवन में सदा स्वस्थ रहें, मस्त रहें एवं शतायु रहें । सेवानिवृति पश्चात हम आपके उज्जवल और मस्त जीवन की मंगल कामना करते हैं ।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद पांडे पर भड़के विजयवर्गीय



- प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भाजपा की लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लगता है राहुल गांधी पाकिस्तान से यहां आकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संस्थाओं का सम्मान न करने का आरोप लगाया। इसी दौरान प्रदेश के नगरीय निकायों में सामान खरीद में हुए भ्रष्टाचार पर केंद्रित पोस्टर लेकर पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद पांडेय पर नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भड़क गए। उन्होंने माइक पर कहा कि इतने जूते खाने के बाद भी आ गया। जहां पर जवाब देना है, हम देंगे। अभी तो यहां से जा, नहीं तो फिर लोग जवाब दे देंगे। फिर पुलिस से कहा कि इन्हें गाड़ी में बैठाइए। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहा है। शुक्रवार को इंदौर में निकाली गई पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी शामिल हुए।

वसई में बनेगा आकर्षक मैंग्रोव पार्क! स्नेहा दुबे पंडित की पहल पर अधिकारियों के साथ बैठक



वसई। वसई में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैंग्रोव पार्क विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस संबंध में विधायक स्नेहा दुबे पंडित के विधायक कार्यालय में कंडलवन (मैंग्रोव) विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रणगांव के नैगांव क्षेत्र में एक आकर्षक मैंग्रोव पार्क विकसित करने को लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस दौरान स्नेहा दुबे पंडित ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावित पार्क में स्कूली विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सुविधाएं शामिल की जाएं, ताकि बच्चों को कम उम्र से ही पर्यावरण संरक्षण, मैंग्रोव वनों के महत्व और जैव विविधता के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने परियोजना रिपोर्ट में आवश्यक सुधार कर जल्द से जल्द अंतिम योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वसई के रणगांव क्षेत्र में भी मैंग्रोव पार्क स्थापित करने की संभावनाओं का अध्ययन कर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में इन दोनों परियोजनाओं के अलावा वसई तालुका में मैंग्रोव वनों का संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और वन विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। प्रस्तावित परियोजनाओं का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखना है। मैंग्रोव पार्क की यह पहल वसई में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

स्वास्थ्य परक जानकारी के साथ हुआ,स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी का आयोजन



रामपुरा (चिराना), 31 अक्टूबर के लास्ट शनिवार को यहां की विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामपुरा में आज स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ा एक विशेष कार्यक्रम रखा गया जिसमें विद्यार्थियों को स्वास्थ्यप्रद जानकारी दी गई। बदलते मौसम में सावधानी और दिनचर्या पर बोलते हुए डॉ राजेंद्र कुमावत ने कहा कि नियमित दिनचर्या और संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधि और योग प्राणायाम स्वस्थ जीवन के आधार है। उन्होंने कहा स्वस्थ रहने के लिए मौसमी फल सब्जियां एवं स्थानीय भोजन करे और कोई भी दवा लेने से पहले अपनी दैनिक चर्या जरूर सुधारे।

स्वास्थ्य चर्चा के बाद स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. राजेंद्र कुमावत रहे जिन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता परखने के लिए यह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई, जिसमें छात्र- छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम स्थान प्रदीप कुमार, द्वितीय स्थान कार्तिक, और तृतीय स्थान डेनिस ने प्राप्त किया। तीनों विजेता विद्यार्थियों को डॉ. राजेंद्र कुमावत ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त अनीता गुर्जर को बेस्ट अवार्ड देकर नवाजा। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह के ज्ञानवर्धक आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए सभी को इनमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

इस दौरान गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से डॉ. राजेंद्र कुमावत का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रामगोपाल शर्मा,भरत लाल शर्मा, श्रवण कुमार चंदेल, महेंद्र कुमार गुर्जर, नंदलाल बीवाल, रामस्वरूप चेजारा, श्यामलाल नायक, सुल्तान सैनी, सुनील गुर्जर, नेहा कुमारी, विनोद गोस्वामी, बबली सोनी, पूनम प्रजापत, मामराज हरिजन, राजेंद्र सैनी, कृष्ण कुमार बीवाल, सरिता कुमावत, अंजू कुमारी और भागीरथ मल गुर्जर सहित कई गणमान्य सदस्य एवं पूरा विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

केंद्र सरकार की बेरुखी के खिलाफ 12 दिसंबर को रामलीला मैदान में राष्ट्रीय आक्रोश रैली



जौनपुर। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने ऐलान किया कि सरकार की कर्मियों की मांगों के प्रति बेरुखी के खिलाफ कर्मचारी 12 दिसंबर को रामलीला मैदान दिल्ली में गरजेंगे और राष्ट्रीय आक्रोश रैली करेंगे। उन्होंने सरकार को चेताया कि 12 दिसंबर तक पुरानी पेंशन बहाली, मूल वेतन का 20 प्रतिशत या कम से कम पांच हजार रुपए प्रति माह अंतरिम राहत देने, दस की बजाय पांच साल में पे रिवीजन करने, टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, ठेका संविदा कर्मियों को रेगुलर करने, निजीकरण पर रोक,18 महीने के बकाया डीए, डीआर को रिलीज करने , खाली पदों को स्थाई भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार देने, चारों लेबर कोड्स की वापसी सहित अन्य मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की तो रैली में अगले आंदोलन का ऐलान कर दिया जाएगा। उन्होंने यह ऐलान शनिवार को पूजा पैलेस, जौनपुर (उ.प्र.) में आयोजित मंडलीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए किया। उन्होंने कहा कि रैली को लेकर कर्मियों में भारी उत्साह है और सरकार के खिलाफ नाराजगी है। मंडलीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसपी सिंह ने कहा कि रैली में पेंशनर्स भी हजारों की संख्या में शामिल होंगे। उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने कहा कि राज्य से दस हजार से ज्यादा कर्मचारी रैली में शामिल होंगे। जिसकी तैयारियों को लेकर सभी जनपदों में विभिन्न विभागों में कर्मचारी सभाएं आयोजित की जाएगी। मंडलीय सम्मेलन को प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य अध्यक्ष यशपाल सैनी व महामंत्री अनिल यादव ने कहा कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में उलझा दिया है। जिससे छात्रों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। सम्मेलन में उप्र फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विस एसोशिएशन्स के राज्य अध्यक्ष उपेंद्र मणि त्रिपाठी व महामंत्री प्रदीप गुप्ता, उप्र लोक निर्माण विभाग मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष पद्मनाभ त्रिवेदी व महामंत्री जेपी पांडेय,उप्र कर्मचारी महासंघ लखनऊ मंडल के प्रभारी अफीफ सिद्दीकी मौजूद थे। इन्होंने डीए की बकाया तीन प्रतिशत और बोनस न देने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मियों की मांगों का हल करना तो दूर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव कर्मचारी संगठनों से बातचीत करना भी आवश्यक नहीं समझते है। जिससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए ईपीएस 95 के सभी अंशदाताओं को परिभाषित पेंशन योजना के दायरे में लाने और 65,70,75 की आयु पर पेंशनर्स की बेसिक पेंशन में पांच प्रतिशत बढ़ोत्तरी करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 31 दिसंबर,2025 तक के पेंशनर्स को आठवें पे कमीशन की सिफारिशों के अनुसार पेंशन रिवीजन करने के अधिकार से वंचित कर 25 मार्च,2026 के पेंशन वैलीडेशन एक्ट पास किया है। उन्होंने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार नव उदारवादी आर्थिक नीतियों को बड़ी तेजी से लागू कर रही है। खाली पदों को स्थाई भर्ती से भरने की बजाय नौजवानों को शोषण की भट्टी में झौंकने के लिए ठेका संविदा पर नियुक्त कर रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर उप्र सरकार ने कर्मचारियों के साथ बातचीत कर मांगों व समस्याओं का समाधान नहीं किया तो विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्मियों और पेंशनर्स तथा उनके परिजनों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

राजन नाईक ने किया सामवेद ग्राहक पेठे का उद्घाटन

दिवाली पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी को मिला बढ़ावा



वसई। दिवाली के उत्साह, स्वदेशी गर्व और खरीदारी की खुशियों के बीच सामवेद जागरण मंच, संजीवनी परिवार और जयमुनि पतपेढ़ी के संयुक्त तत्वावधान में सामवेद ग्राहक पेठे का आयोजन किया गया। इस ग्राहक पेठे का उद्घाटन राजन नाईक के हाथों किया गया। दिवाली के शुभ अवसर पर आयोजित इस ग्राहक पेठे में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां नागरिकों को त्योहार की खरीदारी के लिए कई तरह के विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और विक्रेताओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। इस पहल से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की खरीदारी करने का अवसर मिल रहा है। आयोजकों ने कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और स्वदेशी विचारों को प्रोत्साहित करने वाली ऐसी पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ स्थानीय उद्यमिता को भी नई दिशा देती हैं। इस अवसर पर सामवेद ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अनंत पाटिल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वसई कार्यकारी अध्यक्ष अंकित, सामवेद जागरण मंच के अनंत पाटिल, भाजपा वसई तालुका के संस्थापक अध्यक्ष यशवंत पाटिल, संजीवनी परिवार के आनंद पाटिल, राजू नाईक, कमलाकर पाटिल, दिलीप जोशी, हेमंत नाईक तथा जयमुनि पतपेढ़ी के अध्यक्ष अमोल वाझे सहित बड़ी संख्या में समाज के नागरिक उपस्थित रहे। इस खूबसूरत पहल के आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की गई। उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी समाज में एकता, मेलजोल, उद्यमिता और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे आयोजन बड़े स्तर पर किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से सभी नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कामना की गई कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशियों का प्रकाश लेकर आए।

बेमौसम बारिश और तेज हवा से खेतों में बिछी धान की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता



चौबेपुर, वाराणसी (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में तेज हवा के झोंकों के साथ हुई रिमझिम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। पककर तैयार धान की फसल खेतों में गिरकर बिछ गई है। पहले से खेतों में पानी भरा होने के कारण गिरी फसल के सड़ने और दाने खराब होने का खतरा बढ़ गया है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। गरथौली निवासी किसान दुर्गेश चौबे ने बताया कि उनकी खेती कौआपुर, परानापुर और गरथौली गांव में है। इस बार धान की फसल अच्छी थी और करीब एक सप्ताह बाद कटाई शुरू होनी थी, लेकिन अचानक तेज हवा और बारिश से फसल खेतों में गिर गई। उन्होंने बताया कि 20 बिस्वा खेत में जुताई, नर्सरी, रोपाई, खाद और सिंचाई सहित अब तक दस हजार रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। ऐसे में फसल बर्बाद होने से लागत निकालना भी मुश्किल नजर आ रहा है। किसानों का कहना है कि गिरी हुई फसल की कटाई में अधिक समय और मजदूरी लगेगी। इससे रबी की फसलों की तैयारी भी प्रभावित होगी। धान की कटाई में देरी होने से आलू, सरसों और मटर की बुवाई पिछड़ने की आशंका है। किसानों ने बताया कि पिछले वर्ष भी बेमौसम बारिश से फसल को नुकसान हुआ था। लगातार मौसम की मार से खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से प्रभावित खेतों का स्थलीय निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन करने तथा उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि वे अगली फसल की बुवाई कर सकें।

FNP ने दिवाली पर लॉन्च की खास फेस्टिव गिफ्टिंग रेंज

मुंबई। भारत के अग्रणी गिफ्टिंग ब्रांड FNP (Ferns N Petals) ने इस दिवाली अपनों को खुशियाँ और मिठास बाँटने के लिए एक खास और विविधता से भरपूर फेस्टिव गिफ्टिंग रेंज लॉन्च की है। परंपरा, आधुनिकता, स्वाद और कलात्मकता को समेटे इस कलेक्शन में हर वर्ग और बजट के ग्राहकों के लिए आकर्षक उपहार विकल्प पेश किए गए हैं। इस रेंज का मुख्य आकर्षण 'FNP का मिठाई मैप ऑफ इंडिया दिवाली एडिशन हैम्पर' है, जो 1,999 रुपये की कीमत में भारत के आठ अलग-अलग राज्यों (राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश आदि) के विशिष्ट स्वादों जैसे–चूरमा लड्डू, शाही बर्फी, मैसूर पाक और मैंगो पापड़ को एक साथ प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही, त्योहारों में स्वाद और उमंग का तड़का लगाने के लिए 899 रुपये में 'नट्टी अनार पटाखा ब्लास्ट दिवाली गिफ्ट बॉक्स' पेश किया गया है, जिसमें पटाखों के आकार के अनार बॉक्स में प्रीमियम ड्राई फ्रूट्स और दीये शामिल हैं। खास लम्हों को यादगार बनाने के लिए 1,749 रुपये का 'मार्बल लाइट फेस्टिव चॉकलेट बॉक्स' चॉकलेट्स, सजावटी मार्बल और फोटो फ्रेम का खूबसूरत संगम पेश करता है। कॉर्पोरेट और लग्जरी गिफ्टिंग के लिए 7,499 रुपये की कीमत वाला 'हाउस ऑफ ऑस्पिस' हैम्पर फूलों, प्रीमियम चॉकलेट्स और भगवान बुद्ध की स्मृति-वस्तु के साथ समृद्धि का संदेश देता है। वहीं, आध्यात्मिक महत्त्व और 99% शुद्ध चाँदी की उत्कृष्ट कारीगरी से सजा 'अष्टलक्ष्मी सिल्वर कॉइन्स' सेट 6,257 रुपये में सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक के रूप में उपलब्ध है।

डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया ने त्योहारी छूट के साथ दिवाली में खुशियों का भरा रंग

पटना। डीएचएल एक्सप्रेस पूरे भारत में अपने ग्राहकों के लिए विशेष त्योहारी छूट के साथ दिवाली का उत्सव मना रही है। सीमित अवधि के लिए उपलब्ध यह ऑफर 14 नवंबर 2026 तक मान्य है। इसके तहत ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू शिपमेंट पर 60 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जो ग्राहक भारत और दुनिया भर में अपने परिवारजनों और प्रियजनों को उपहार, मिठाइयां और त्योहार की शुभकामनाएं भेजना चाहते हैं, वे डीएचएल की वेबसाइट पर या डीएचएल सर्विस पॉइंट पर प्रोमोशन कोड फेस्टिवल 60 का उपयोग कर सकते हैं। डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, संदीप जुनेजा ने कहा कि दिवाली उन लोगों के साथ खुशियाँ मनाने का त्योहार है जो हमारे लिए मायने रखते हैं, भले ही वे हमसे कितनी ही दूर क्यों न हों। डीएचएल एक्सप्रेस में हम आपके किसी खास उपहार को दुनिया में कहीं भी आपके प्रियजनों के दरवाजे तक पहुँचाकर इन रिश्तों को जोड़ने में मदद करते हैं।

ब्राह्मण सभा हॉल में धूमधाम से मनाया गया त्रिशिका का प्रथम जन्मदिन

प्रसिद्ध टीवी एंकर एवं मिमिक्री कलाकार प्रवीण पंडित की शानदार एंकरिंग रही आकर्षण का केंद्र

-आदेश मिश्र



मुंबई। मुम्बई के डोम्बिवली ब्राह्मण सभा हॉल में शुक्रवार, को नन्हीं त्रिशिका दुबे का प्रथम जन्मदिन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक मनाया गया। समारोह में परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति में खुशियों का माहौल रहा। सभी ने त्रिशिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना की। समारोह का मुख्य आकर्षण लोकप्रिय टीवी एंकर, यूट्यूब कॉमेडियन एवं मिमिक्री कलाकार प्रवीण पंडित की शानदार एंकरिंग रही। उन्होंने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति, हास्य-विनोद और मनोरंजक अंदाज से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनकी शानदार एंकरिंग ने उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया और समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर त्रिशिका के परदादा हीरालाल दुबे की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। हीरालाल दुबे ने स्वतंत्रता आंदोलन के ऐतिहासिक दौर को अपनी आंखों से देखा है। उनका इस विशेष अवसर पर उपस्थित होकर त्रिशिका को आशीर्वाद देना परिवार के लिए गर्व एवं सौभाग्य का विषय रहा। उनके स्नेह और आशीर्वाद ने समारोह को भावनात्मक रूप से और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में त्रिशिका के दादा अवधेश हीरालाल दुबे,दादी इंद्रा अवधेश दुबे, नाना शोभनाथ मिश्रा एवं नानी नगीना देवी सहित परिवार के अन्य सदस्य, बुआ एवं फूफा भी उपस्थित रहे। सभी बड़े-बुजुर्गों ने त्रिशिका को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और उसके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। शाम से रात तक चले इस जन्मदिन समारोह में पारिवारिक स्नेह, खुशियों और आत्मीयता का सुंदर संगम देखने को मिला। परिजनों की उपस्थिति, बुजुर्गों का आशीर्वाद और प्रवीण पंडित की मनोरंजक एंकरिंग ने त्रिशिका के जीवन के इस पहले जन्मदिन को अविस्मरणीय बना दिया। यह आयोजन परिवार के लिए एक यादगार अवसर साबित हुआ।

प्रतीक्षा फाउंडेशन द्वारा आशा सेविकाओं के लिए दीपावली स्नेह सम्मेलन 2026 का आयोजन



वसई (पालघर)। विश्वकर्मा हॉल, आनंद नगर, वसई पश्चिम में उत्तमकुमार द्वारा आयोजित आशा सेविका दीपावली स्नेह सम्मेलन 2026 में विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे डॉक्टर हेमंत सांवरा ने आशा सेविकाओं से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रतीक्षा फाउंडेशन, मुंबई और चंद्रमा माधवन नायर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर हेमंत सांवरा को आशा सेविकाओं के साथ संवाद करने और उनके सेवा कार्यों को करीब से जानने का अवसर मिला। डॉक्टर हेमंत सांवरा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आशा सेविकाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी और सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनकी मेहनत, ईमानदारी, समर्पण और लगन समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आशा सेविकाओं के सम्मान और उनके प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित यह स्नेह सम्मेलन सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी महिलाओं का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उनके योगदान को उचित सम्मान भी प्रदान करते हैं।

डॉक्टर हेमंत सांवरा ने इस सुंदर आयोजन के लिए प्रतीक्षा फाउंडेशन, चंद्रमा माधवन नायर ट्रस्ट और सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही उपस्थित सभी आशा सेविकाओं के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आशा